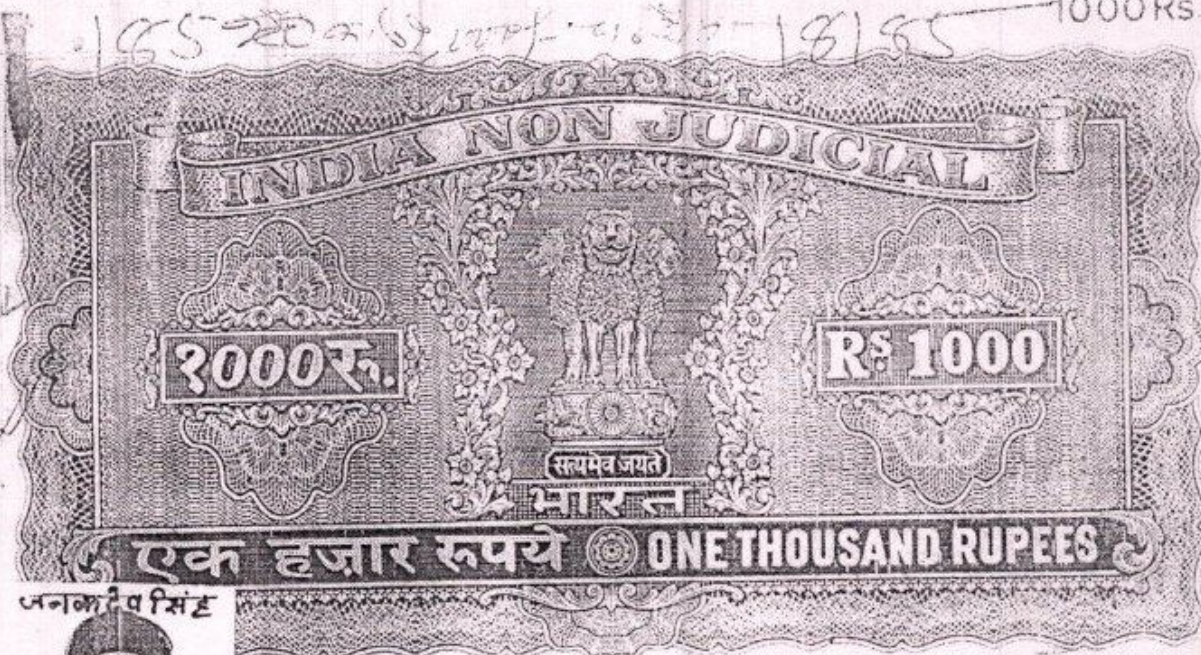




ਸਿ. ਅਨੰਤ ਦੇਵ ਸਿੰਘ

હોદ્દો જાણે પ્રમાણિત

WJH

फ़ारुख

5-72-12

संविधान के अनुसार

23192103

चामलेख्यकारी :- श्री जनकदेव सिंह बलद बाबु हरजी विन्द
सिंह निवासी ग्राम कलैर थाना मगध मैडिकल कॉलेज, गया
जिला गया पेशा कास्तकारी नागरिकता भारतीय :-

नामलेख्यधारिणी :- श्रीमती आशा देवी धर्मपानी श्री देवेन्द्र
प्रसाद सिंह निवासी - वीर कुँअर सिंह जौलनी जीजा

5002-33-42



18073

कलेर घाना मंगल मेडीकल कॉलेज, जयपुर, जिला जयपुर
पैसा गृहिणी नागरिकता भारतीय-1

लेख्य प्रकार :- विक्रम पत्र Sale deed.

विक्रम मूल्य :- रुपये 99000/- एक हजार हजार मात्र

विक्रम सम्पत्ति का विवरण :- क्षेत्रफल 2 (दो) कठ्ठा अर्थात्
दो (दो) बीघा 2920 (दो हजार सात सौ बीस)
परगनाही होता है एराजी लगानमुक्त आवासीय परती मुख्या
स्थान ग्राम कलेर घाना मंगल मेडीकल कॉलेज, जयपुर
जिला जयपुर घाना नं 228 सब एवं सदर राजस्वी पौ
कलंकी पौ मेडिकली मी 0 जयपुर अंचल कार्यालय चन्दौली
नगर अंचल जयपुर।

स्वाता नं	प्लीट नं	क्षेत्रफल	चौहद
27	228	2 कठ्ठा	छो- हैमन आह
विचालीस	तीन सौ	दो कठ्ठा	दो- 2 (पांच फीट)
पच्चीस			चौहदी रास्ता
मी 2 एवं 22डी			पु- खरीदार
मी- सी			प- नीज विक्री

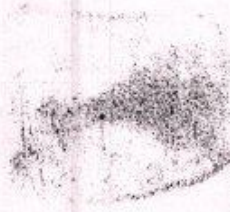
जयपुर नगर

जयपुर नगर

2925- 22⁹²/₈₃ 2007

2) 2101-2112/12/81

1/10/07



93
95/07

21/10/07
22-72-2003

23/72

विशेष को पदचालन
-काम 201/50 2101
दिनांक 21/10/07
23-72-2003

94
95/07



18074

कार्मिक राजस्व रु० पैंसा गाँव अर्लीव सैसा
X- ६५

अन्य विवरण

१. यह कि उपरोक्त वर्णित लेख्य स्वामी द्वारा मौदसी लेख्यकारी की है जिसपर लेख्यकारी अपने पिता के मृत्यु परान्त परिवार में वही स्थिति कर्ता की मालिक के विपक्ष सम्पत्ति पर पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य के साथ निर्विवाद काबिज दायील चले आ रहे हैं की आज तक है की अंचल कार्यालय के डिमांड पुस्तिका में नाम तथा हाल सर्वे खतिबान में नाम लेख्यकारी का संयुक्त में दर्ज है।

२. यह कि लेख्यकारी की जबरन रूपमा का वास्तु करने शादी अपने मनीजी के है इसलिये लेख्य सम्पत्ति को विक्री करने की घोषणा सामान्य रूप से किया जिसे व्युत्तर लेख्यधारिणी द्वारा खरीदने की तैयार हुए जिसका कीमत रूपमें ११०००/- एक हजार हजार मात्र दोनों पक्षों की आपसी बातचीत के उपरान्त तम हुआ।

३. यह कि लेख्यकारी अपने तन मन की पूर्ण स्वस्थता में अपने मनी त्राय की स्वयं सम्पत्ति पुनः कर बिना

गाँव अर्लीव सैसा
२५ १२ २०००

गाँव अर्लीव सैसा
२५ १२ २०००
गाँव अर्लीव सैसा
२५ १२ २०००
गाँव अर्लीव सैसा
२५ १२ २०००

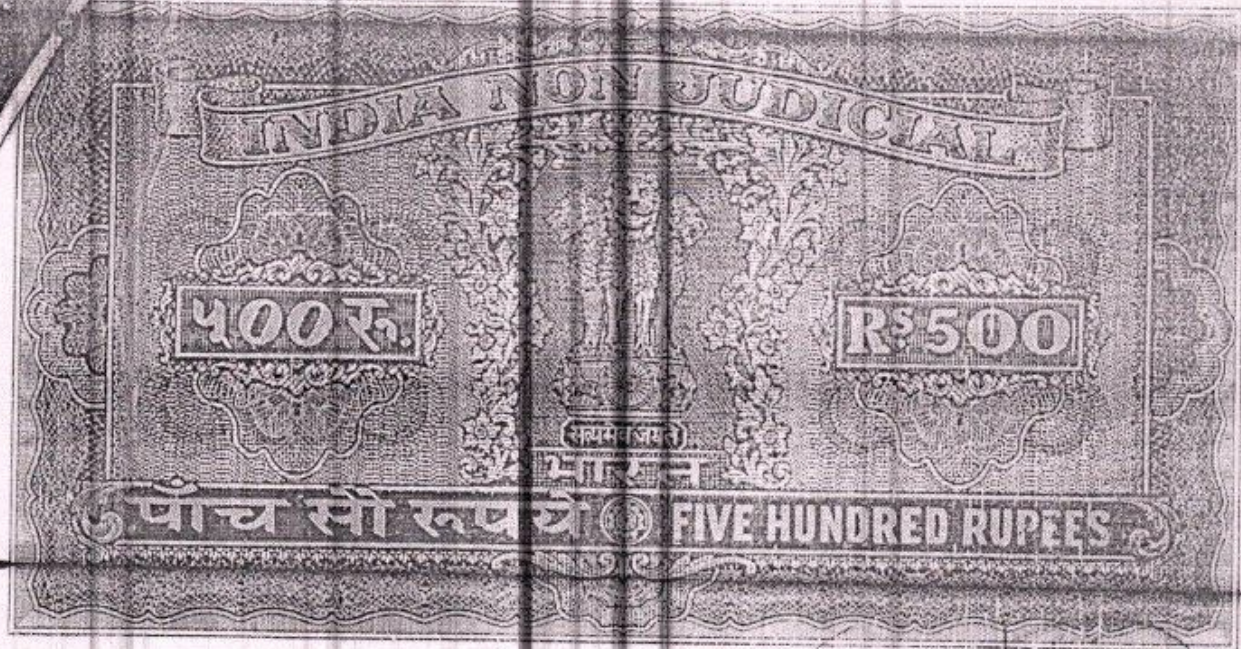


55075

फिली दबाव के उपरीकृत वर्जित लेख्य सम्पत्ति तथा साथ इसमें प्रति हर तरह के स्वामित्व एवं आधिपत्य को आज की तारीख में कीमत रुपये 99000/- एक हजार हजार मात्र में लेख्यधारिणी के हाथ विप्री किया तथा यह वस्तीका विक्रय पत्र लिखा तथा पूरी कीमत इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर बनाने के पूर्व लेख्यधारिणी से वसूल पाया अब एक नया पैसा कीमत तत्काल एकाव्य सम्पत्ति बांकी न रहा और न चाहिये।

55075
24.2.51

8 यह कि लेख्यधारिणी अथवा उनके उत्तराधिकारी आज की तारीख से उपरीकृत वर्जित लेख्य सम्पत्ति पर पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य के साथ काबिजा दायील होकर पौ बहकर जिस प्रकार का मकान बनाना चाहें वगैरें अथवा जैसा उचित मुतासिल इसमें अपनी इच्छा आवश्यकता अथवा बुविद्या के अनुसार अपने उपयोग व्यवहार में लाने तथा नाम अपना जिस जिस कार्य लयों में आवश्यक समझें लेख्यकारी के स्थान पर दर्ज करवाकर राजस्व एवं अन्य आवश्यक कर का



30585

भुगतान किया करें उसमें किसी तरह का अनति-
 जो आश्रय लेख्यकारी अथवा उनके उत्तराधिकारी को न
 होगा जो न करेंगे।

२. यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारिणी को यह विज्ञापन दिलाया
 है कि लेख्य सम्पत्ति हर तरह के जमाने-आर अथवा-
 जुद्धा हकिमत से साफ है यदि प्राची जमाने तो उसकी सारा
 जबाबदारी जो पापबंदी जो आश्रयकारी पूरी कीमत मय खर्च
 रजिस्ट्री अदालत उपर लेख्यकारी अथवा उनके उत्तरा-
 धिकारी पर है जो होगी जो करेगी इस मन्त्र- यह
 प्रसीक प्रक्रम पल बनाम लेख्यधारिणी के लिख दिया
 के उमान रहे तथा समय पर काम आवे। समाप्त।

"एतद् द्वारा हमलोग आपका प्रपेक यह घोषणा करेंगे कि
 अनति होनेवाली सम्पत्ति के संबंध में दस्तावेज में दिया
 गया विवरण पूर्ण एवं सत्य है असाध्य होने पर
 इसकी पूर्ण उत्तरदायित्व लेख्यकारी एवं लेख्यधारिणी
 का होगा।"

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं विनिर्देश



उत्ति एक दुसरे की दू-ब-दू खरची उल्लिखित है।

हउ जियवकारी
जल १५/५/९९
२३-१३-२-२
मीरी आशा देवी



कौनो धर्म १९००
द्वारा

हउ लुखप्रजाति
आशा देवी

२०/१२/२००३

मि. आशा देवी



जल १५/५/९९
२३-१३-२-२

चरित
प्रीति
द्वारा
सा १०० १४३

मानिष विवाह
जिनका छाप
बाये हाथ की धातु के निशान में
सामने लिखा गया

चरित
प्रीति
द्वारा
सा १०० १४३

C/16.8 10/25/1944 27/4/1944



१०००रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES



प्रति प्रमाणित

कुं नि. अनक देव सिंह

17269

सिद्ध महरि सिंह

महाराष्ट्र न्यायिक सेवा

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

२००० रु.

१०/११/०४

१०/११/०४

नाम लखव्य करी

श्री अनक देव सिंह चण्ड चौ हर गोविन्द सिंह
जिलासी ग्राम कलौर थाणा भगव भंडीकाल कॉलोनी
जिला गया पेशा काश्तकारी भागारिचता भारतीय

नाम लखव्य धारणी

श्रीमती आशा देवी धर्मपत्नी श्री कैवल्य प्रसाद
सिंह जिलासी चौर कुंभार सिंह कॉलोनी बाबा
कलौर थाणा भगव भंडीकाल कॉलोनी जिला
गया पेशा ग्रहणी भागारिचता भारतीय

श्री अनक देव सिंह चण्ड चौ हर गोविन्द सिंह
जिलासी ग्राम कलौर थाणा भगव भंडीकाल कॉलोनी
जिला गया पेशा काश्तकारी भागारिचता भारतीय
श्रीमती आशा देवी धर्मपत्नी श्री कैवल्य प्रसाद
सिंह जिलासी चौर कुंभार सिंह कॉलोनी बाबा
कलौर थाणा भगव भंडीकाल कॉलोनी जिला
गया पेशा ग्रहणी भागारिचता भारतीय

५) मनी आशा देता पति बड़े बड़े
 मरने गये दा। की कुवै गये कोलना
 कलेर मनी मरने मरने मरने मरने

၁) ကံကုန်

No-71/86

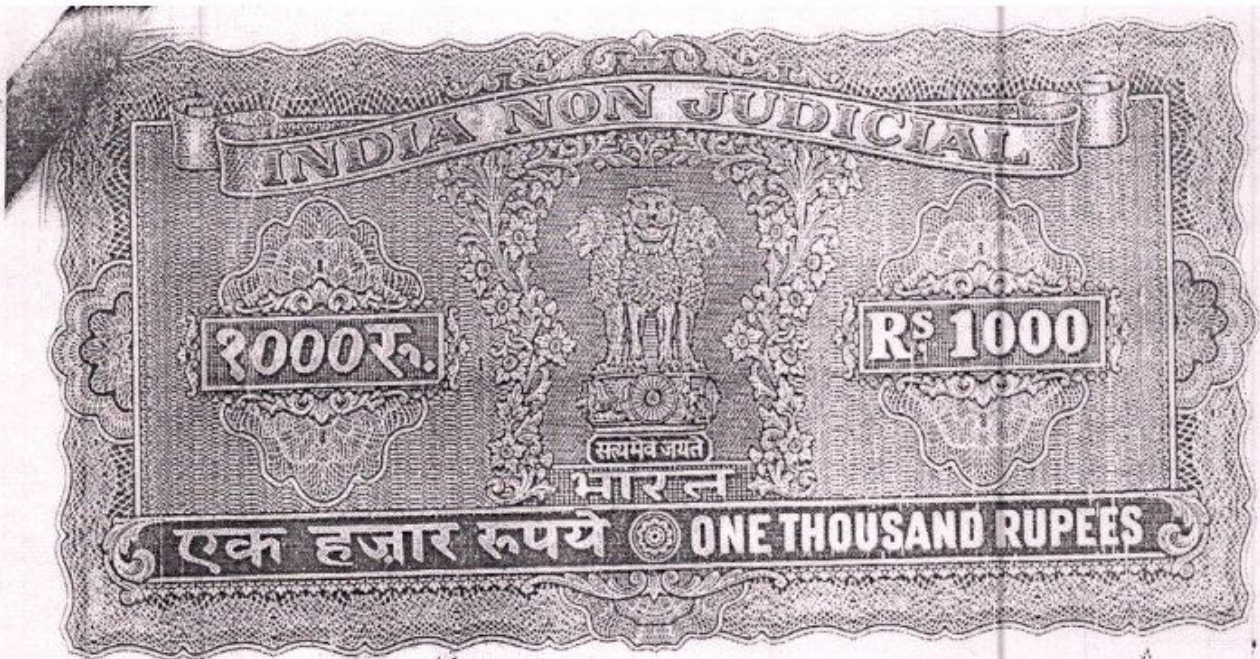
ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਜਨਮ ਦੇਵ ਪਿੰਡ ਨਾਮ 521241 ਸਿੰ 24ਵੀ

५२।२५ छिंद विमोक्ष निशानी मेरे सामने

२१/५/ १८/१२/२०१४

9514105-

9014108



वैय्य प्रकार

प्रक्रिय पत्र - Chakravedi

प्रक्रिय मुख्य

मोह ७१५००। एक हजार पाँच सौ रुपये के

प्रक्रिय सम्पत्ति का विवरण

उपरोक्त ७३६०

क्षेत्रफल ७३६० वर्ग फीट (एक हजार तीन सौ
 साठ वर्ग फीट) राजाजी (मोहान युक्त आवास)
 परती मुरवण्ड जी गाम्भी में है (आवास) पत्नी
 मुरवण्ड) रंगत मौजा काजर थागा मगाव
 मेडिकाम का गौज गया मिठा गया थागा
 मोड ३४ खत दिवापन ची खत खत खत
 राजिस्दी कावकी ची मुशी पू मो गया
 स्याम काशीभय यन्दीनी - चीहदी

लाताना जमीराना रकवा उपः देमन्त शाह

मया ३० - मया ३२५ - ७३६० वर्ग फीट कः ५ पाँच फीट

उमयालीस तीन सौ एक हजार चीही सस्ता

पचीस तीन सौ साठ २०० - बीज किल्ला

मिठ ३२० वर्ग फीट अर्थात हजार केतु विरय

५३ बी में से एक फरहा घाबेनी

१०० - बीज किल्ला

मो ७३६०० मिट फीट मो ७३६०० मिट

मो ७३६०० मिट फीट मो ७३६०० मिट

७३६०००

व्यापक राजस्व २०० पी०
X-३५ मातृ अतिरिक्त खेस।

887 92/8 2507

2101 3112155

8/10/2008
मुद्रांक नं. 18
क्र. 71/86

1249
28/04

सही जमान देवे छिट नां 52124/छिट
सही 52124/छिट बिकरेवा नीसानी छे
समने कनाया 9/12/2008



9/12

1250
28/04

निकेतन को पहचानवा छे

52124/छिट पिला नन्दहर सिंह

9/12/2008



विवरण

17271

नं० १ यह कि उपरोक्त पणित विद्या सम्पाद
 खास औरखी खतियानी औरखी कारी की है
 जिसपर औरखी कारी अपने पिता के मुल्क
 उपरोक्त परिवार में पढ़े स्थित वर्तमान
 सामाजिक के विविध सम्पत्ति पर पूर्ण
 स्वामित्व एवं अधिकार के साथ निर्विवाद
 कानून दखलान योग्य आ रहे हैं जो आज
 तक हैं जो मयल कार्यलय के डिमांड
 फुल्टका में नाम मचा हल सर्वे खतियान
 के नाम औरखी कारी का संयुक्त है दर्ज है

ज. प्र. वि. वि.
 १०/१२/२००४
 १८/१२/२००४

नं० २ यह कि औरखी कारी का अरबत
 खपया का वारस पारिवारिक स्वर्ग आव-
 श्यक के हैं इसलिये विक्री करने का
 इत्तमा किया जात है यह दखलान विविध
 पत्र का लिखा जाना दोनों के विधायक

ज. प्र. वि. वि.
 १०/१२/२००४
 १८/१२/२००४

नं० ३ यह कि औरखी कारी अपने तन मन
 की पूर्ण स्वस्थता के साथ विद्या किडो
 दवाव के उपरोक्त पणित सम्पत्ति को
 साथ उद्योग का प्राप्त हर तरह के ठेके
 को अधिकार का स्वामित्व का कर्जा देवता
 को आज के तार से स्थित ११५०० रुकहतर



हजार पाँच सौ रुपया में किया जो द्वारा
निमित्त यह करना चाहें (गिरत) कर्त। ली क्रीता
सौ चहूँ पाया अब एक नया पैसा भी पाकी
नही रहा। -

ज०४- यह कि आज की ता० सौ निरूपणा-
रिणी उपरीक चणित सुपति पर प्रपि रत्ना-
मिरेव एवं अधिपत्य के साथ प्रजा देवक
में कीकर जो रत्नाक वाद पैदावार अपन
आमनमें लाने जो आम आपना अर्धजुल
अखरत समझें विक्री के स्थान पर
कर कर लेंगे। -

ज०५- यह कि निरूपणाकारी ने निरूपणाकारी
जो यह विश्वास दिनाया है कि विक्रय
अपति हर तरह के नुकस हानि
तथा फर्जभार सौ नुक है आम
सावित लीती उसकी खाती जवाब
देही जो पायवन्दी जो आदारीकारी
कुन मुख्य में रवरी राजस्व। -

17272

ज०४ उपरीक
वा० ३२२२५ सिट
७५५/२००४



17273

मैं जो कुछ चहिये आप को ज्ञानी लोगायत
 उपर लिख्य कारी तथा हुक्म उक्त कारी
 पर मैं जो हूँ जो हूँ इस पक्ष
 यह चलीका सक्रिय पक्ष लिख किया है
 के समय पर काम आवे जगता-
 एतद् द्वारा आपथ पूर्वक हमलोग वर
 धारणा करत हूँ कि अन्तरित होने वाली
 संपत्ति के संबंध में दस्तावेज में
 किया गया विवरण पूर्ण एवं सत्य है
 अस्तव्य होने पर इसकी पूर्ण उत्तर
 दाहत्व लिख्य कारी एवं लिख्य धारणी
 की होगी-
 प्रमाणित किया जाता है कि हम दस्तावेज
 एवं दूतियक प्रति एक दूसरे की है यह
 एवं सही प्रमाणित है-
 ह० लिख्य कारी ह० लिख्य धारणी

जगन् देव सिंह

वा० ३२/२४/२००४

१८/११/२००४

आशा देवी

१८/११/०४



जगन् देव सिंह

वा० ३२/२४/२००४

१८/११/२००४

जगन् देव सिंह
वा० ३२/२४/२००४

नि० आशा देवी



सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
दस्तावेज नवीकृत, गया
ख० न० 15

अंक 3 व डि०
ता० 22/12/2008
92/2/2008

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति
जिनका छायाचित्र दस्तावेज में लगा है के
बायें हाथ को अंगुलियों का निशान भेरे
सामने खिया गया "

सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
दस्तावेज नवीकृत, गया
ख० न० 15

दि० 92/2/2008

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति जिनका छायाचित्र दस्तावेज में लगा है के बायें हाथ को अंगुलियों का निशान भेरे सामने खिया गया "

सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा
दस्तावेज नवीकृत, गया
ख० न० 15

दि० 92/2/2008



₹000 रु.

RS 1000

एक हजार रुपये

ONE THOUSAND RUPEES



17274

उमेश
उमेश चन्द्र सिंह

दस्तावेज नवीन, ग. १
पृ. १० नं. १३०

पृ० न० १३

SRI JANAK DEO SINGH

लेखक :- श्री. जगदेव सिंह कल्लू बाबु हरगोविन्द सिंह मिवाली
ग्राम फलेर, धाना-मगध मेडिकल कॉलेज गया, जिला-मगध
पेशा कृषककारी नागरिकता भारतीय ।-

लेख्य धारिणी :- श्रीमति शाशा देवी धर्मपत्नी श्रीदेवेन्द्र प्रसाद
 सिंह, विवाही - वीरपुर सिंह ब्रौह्मनी मौजा प्रलेह, ग्राम मंगल
 मेडिकल कॉलेज गया, जिला गया, पेशा - गृहिणी, नगरिका -
 भारतीय ।

अनंत

[illegible]

1895



लेखपत्र :- विक्रय-पत्र SALE DEED

17275

विक्रयमूल्य :- रुपये 61500 एक हजार पांच सौ मात्र :-

विक्रय सम्पत्ति का विवरण :- क्षेत्रफल - 9360 वर्ग फीट (एक हजार तीन सौ साठ वर्ग फीट) लगानयुक्त आवासीय पत्तरी भूखण्ड

जो गली में है, स्थित मौजा - कलेर, थाना - मगध मेडिकल कॉलेज गया, जिला - गया, थाना नं 338, सबडिविजन को सब एवं सदर बजिस्ट्री कलकत्ता के मुंशिरा मोगगा, मेयल कायस्थान चन्दौली

स्वातन्त्र	मौत नं	क्षेत्रफल	चौहद्दी
नया-30	नया-328	9360 वर्ग फीट	उ. रेमान शार
उत्तरालिप्त	तीन सौ पच्चीस	(एक हजार तीन सौ साठ वर्ग फीट)	द. पौव प्री चौद्दी
मी-328	में से	अर्धांश एक फुट सिर्फ	रू. खसीका
			प. निज विक्रेता हल
			कोता हवामाला
			घाणी

जो न देव सिंह
जो 32124 सिट
7/2/2008

वाचिके राजल 8 पैसा
x-328 माल प्रतिहक सोस

विवरण

1. यह कि उपरोक्त पणित विक्रय सम्पत्ति खाल मौसली जोग

जो 32124 सिट
जो 32124 सिट
जो 32124 सिट
जो 32124 सिट

886 92²/₈ 400/

अ जनक देव 1/1/80

मि. जे. ए. ए. ए.
मु. नं. 71/80

1249
2/2/80

सही जनक देव सिंह बां 3212 च सिंह
सही 3212 च सिंह नि. को. 2 व) नि. स. नी. जे.
स. स. नी. न. बा. च. 1/1/2008

9/1/5

1250
2/2/80

नि. को. 2 व) को पहचाना है
3212 च सिंह नि. स. नी. न. बा. च. सिंह

1/1/2008



कारी की है, जिसपर लेख्यकारी अपने पिता के मृत्योपरांत परिवार में बहं सियत कर्ता को मालीक के विषय सम्पत्ति प्राप्त स्वामित्व एवं आधिपत्य के साथ निर्विवाद काविल दावों के साथ आ रहे हैं को आज तक है, जो अंग्रेज दफ्तरों के सिंग पुस्तिका में नाम तथा हाल से वे स्वतंत्रता में नाम लेख्यकारी का संबंध में दर्ज है। -

17276

२. यह कि लेख्यकारी को जरूरत रूपों का वास्तु पौरीवारीक एवं के कारी. आवश्यक है इसलिए लेख्य सम्पत्ति के विक्रय की घोषणा सामान्य रूप से किया जिसे अंग्रेज लेख्य धारिणी इसे रवरी के पर तैयार हुई जिल्ला कीमत रुपये - ७१,५००/ एक हजार रुआ पौंच सौ मात्र दोनों पक्षों के बीच आपसी बातचीत के परधान तथा हुआ। -

३. यह कि लेख्यकारी अपने पूर्ण अवस्था द्वारा रिक्त एवं मानसिक अवस्था में हानि साम को अच्छी तरह समझ का विना किसी दवाव के उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पत्ति तथा इसमें शामिल तरह के स्वामित्व एवं आधिपत्य को आज की तिथि में कीमत रुपये - ७१,५००/ एक हजार रुआ पौंच सौ मात्र में लेख्य धारिणी के साथ विक्री किया, तथा यह दस्तावेज विक्रय पर लिखत तथा पूरी कीमत रुपये - ७१,५००/ एक हजार रुआ पौंच सौ मात्र पूर्ण दस्तावेज लेखन के लेख्य धारिणी से नकद वसूल पाया, अवस्था

जहाँ जो कि
को १२/१२/१९६८
पुलिया

जहाँ जो कि
को १२/१२/१९६८
पुलिया



17277

वैसा श्रीमन् निस्वत लेख सम्पत्ति लेखधारिणी के लिये जारी न
 रहा वो न चाही थी
 ४ यह कि लेखधारिणी पूरी श्रीमन् वसूल पाव लेख सम्पत्ति का दाखल प्रस्ताव
 लेखधारिणी को प्रदान किया, जिस पर लेखधारिणी आज प्रीतिधि
 से पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य के साथ काबिज दाखिल होकर
 रहा जिस तरह का मजान बनाना चाहिए बनाकर रहे सुधवा अपने
 इच्छा आवश्यकता सुधवा सुविधा के अनुसार व्यवहार में लावे वो
 नाम अपना जिस जिस कार्यालयों में आवश्यक समझे लेखधारिणी के
 दशान पा दर्ज कावाकर राजस्व एवं आवश्यकता अनुसार किया
 उसमें किसी तरह की आपत्ति एवं आक्षेप लेखधारिणी तथा उनसे
 उत्तराधिकारी को न होगा वो न कोजे।
 ५ यह कि लेखधारिणी ने लेखधारिणी को यह विश्वास दिलाया है कि विद्वत्
 सम्पत्ति हर तरह के लक्षण मा सुधवा हकियत सम्बंधित माम
 सुधीयों से मुक्त है, यदि क़ाझ पायी जाय तो उसकी पूरी जवाबदेही
 के साथ आदागी की पूरी जवाबदेही उप लेखधारिणी तथा उनसे
 उत्तराधिकारी पर है वो होगी वो रहेगी। इसलिए यह दस्तावेज
 विद्वत् पर लेखधारिणी के नाम लिख दिया कि प्रमाण रहे एवं
 सम्पत्ति का काम आवे। इति।

ज. १८/१२/१९०४
 १७/१२/१९०४
 १८/१२/१९०४

"यतद्वारा हम लोग आपस प्रवेद होसना चाहते हैं कि अन्तरीम होने वाले
 सम्पत्ति के सम्बंध में दस्तावेज में दी गई विवरण पूर्ण एवं सत्य है
 ११. गांधी जी २ तरफ की लेखधारिणी तथा लेखधारिणी



रिणी होगी।
 "प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीय प्रतिलिपि दोरी रकम पुरानी
 हु-वहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है।"

17278

हस्तक्षेपकारी

ज. ००० देव सिंह
 कां० ३२१२५ सिंह
 १८/५/२००८

हस्तक्षेपकारी
 आशा देवी
 १८/५/०८

ज. ००० देव सिंह
 कां० ३२१२५ सिंह
 १८/५/२००८



उमेश
 ३५४
 १८/५/०८

प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति
 जिनका नाम नीचे लिखा है कि
 द. वे हु-वहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है
 प्रामाण्य दिया गया है।

उमेश
 ३५४
 १८/५/०८

दस्तावेज को प्रमाणित करने के लिए
 कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रमाणित किया गया है कि
 के प्रमाणित प्रतिलिपि प्रमाणित किया
 प्रमाणित प्रतिलिपि प्रमाणित किया

प्रमाणित प्रतिलिपि: १८, मई, २००८ ई



X32

धोरेन्द्र सिंह
वस्ती नं. 143

098-
3202-
1239

मोहम्मद सिद्दीक

9880-00
1200-00
2200-00

9880-00

5/4/05



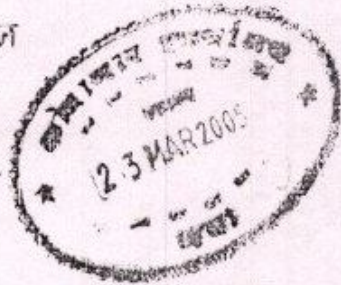
शही जमान देव सिंह बस्तीवासी निवासी 492 मवा 7330
वर्ग क्रि. को. छिस्वा. मि. 6900 रु. का. 6 हजार पांच
रु. पांच का. 100 पा. 5 म. 20 स. 10 मि.
को. 12 स. 10 मि. 12 स. 10 मि. 12 स. 10 मि.
दा. 10 स. 10 मि. 12 स. 10 मि. 12 स. 10 मि.

418400

चाम लेख्यकारी :- श्री जनकदेव सिंह वल्लभ बाबु हर
जोविन्द सिंह वै. निवासी जमान कलेर शाना मगध
मेडीकल कॉलेज, जयान जिला जयान पेशा कारु-
फारी नागरिकता भारतीय :-
नाम लेख्यधारिणी :- श्रीमती आशा देवी धर्मपत्नी



श्री देवेन्द्र असाद सिंह निवासी वीर कुंआर सिंह
कॉलोनी मौजा कलैर घाना मगध मैडीकल कॉलेज
गया जिला गया पेशवा कारस्तकारी चौ गृहिणी
जागरिकता गारतीय ।



लेख प्रकार :- विक्रय पत्र Sale deed.

विक्रय मूल्य :- रुपये 99500/- एकहत्तर हजार पांच

सौ मान ।

विक्रय सम्पत्ति का विवरण :- क्षेत्रफल 9260 वर्ग-

फीट (एक हजार तीन सौ साठ वर्गफीट) लगान-

भुक्त आवासीय परती भूखण्ड स्थित मौजा

कलैर घाना मगध मैडीकल कॉलेज, गया जिला

गया घाना नं० 334 स्वविविजन चौ सब एवं

खदर बजिरुद्दी चौ कलबुद्दी चौ मुंडाफ्री मौठ

गया अंचल कार्यालय चन्दौरी जो गली में है।

जमीन बंदूक स्थिति
10 32 12 24 मिटर
2/8109

गाम 32 12 24 मिटर
मौठ बंदूक
चौ बजिरुद्दी
गया
2/8109

39-

४४/०४. ५८८९

३१ २१ दि आजा देका

१) नमो नमो

विशेषाद १० दि
पुनः १० दि
४१-७१/३६

सादी जगल देका दिह जा ० ३२१२४ दिह
सादी ३२१२४ दिह दिह जा निशकी मेरे साकी मे
तनाच २/५/०५

३१
५/५/०५

५/५

३७

५/५/०५

विशेषाद १० दि

३२१२४ दिह दिह जा निशकी मेरे साकी मे

२/५/०५



स्वाता नं	प्लौट नं	रकबा	चौहद्दी	11280
नं० ३१	नं० ३१५	१३६० वर्ग फीट	उ०. हमना खाह	
(मुम्बईवालीस)	(तीन-सौ पच्चीस)	(एक हजार तीन-सौ खाह वर्ग फीट)	द० पॉच फीट चौद्दी ७० गली	
	मी० ३ ए० ५३.५० में से			



पु० खरीदार

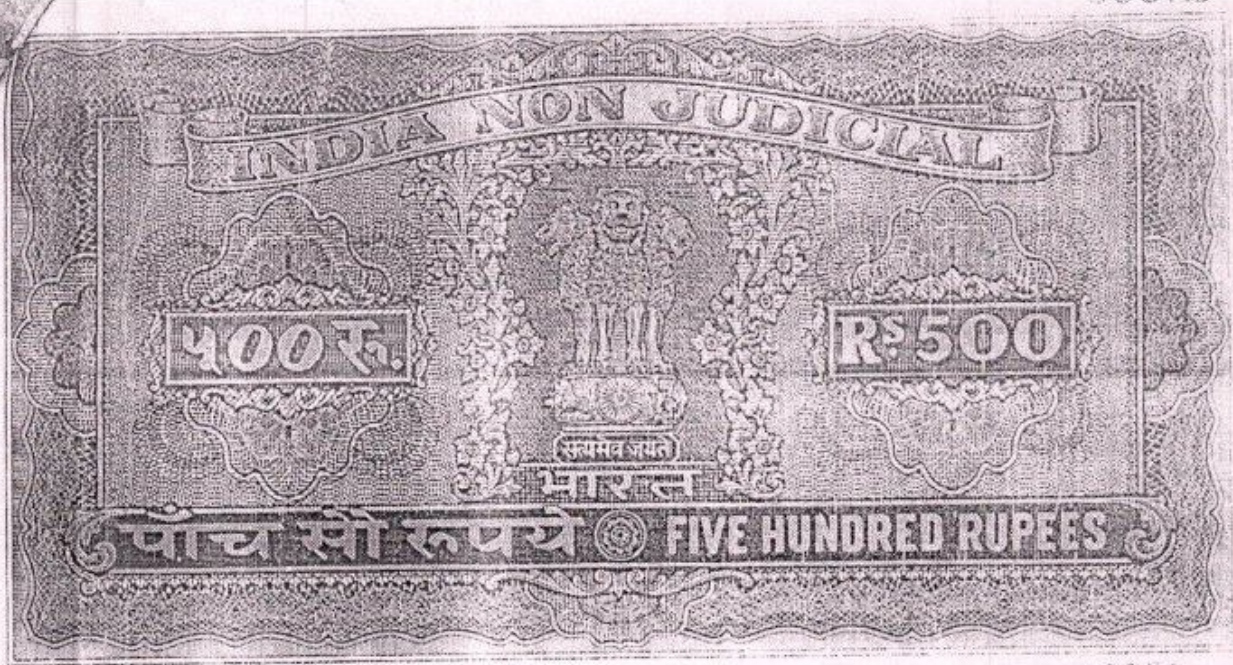
प० नीज लैरन्ध-
कारी हाल
क्रेता लैरन्ध
धारिणी स्वयं

वार्षिक राजस्व रु० पैंसा
X - ३५ साल अलावे सेस

अन्य विवरण

१- यह कि उपरोक्त वर्णित विक्रय सम्पत्ति स्वामिनी लैरन्धकारी की है जिसपर लैरन्धकारी अपने पिता के मृत्योपरान्त परिवार में बहैसियत करी-वौ सालीक के विक्रय सम्पत्ति पर पूर्ण स्वामित्व

गो० कां० उ० में अर्ज
कि मु० गृह कारिणी
गो०
पुन०-गो० ग० उ० ल० को०
गो०
०५०४२००५



एवं आधिपत्य के साथ निर्विवाद काबिज दायीज
 चले आ रहे हैं वो आज तक हैं वो अंचल
 कायस्थ के डिमांड पुस्तिका में नाम तथा हस्त
 खर्चे दफ्तरियान में नाम लेखनकारी का संकुचन
 में दर्ज हैं।

05658



2. यह कि लेखनकारी का जरूरत खर्चा का पारने
 पारिवारिक खर्च के काफी आवश्यक हैं इसलिये
 लेखन खर्च के विक्रय की घोषणा सामान्य रूप
 से किया जिसे खूनकर लेखनधारिणी इसे खरीदने
 को तैयार हुई जिसका कीमत रुपये 99,000/-
 एक हजार हजार पांच सौ मात्र दोनों पक्षों का
 आपसी तालमेल के उपरान्त तम हुआ।

जहाँ से लेखन
 10/02/05

3. यह कि लेखनकारी अपने इन मत को अपने
 व्यवस्था में अपने हानी लाभ को खर्च
 खर्च कर बिना किसी खर्च के उपरोक्त

जी. राम अर्धा 2/8/05
 पिता जी. राम अर्धा 2/8/05
 बी. राम अर्धा 2/8/05
 का तैयार 2/8/05

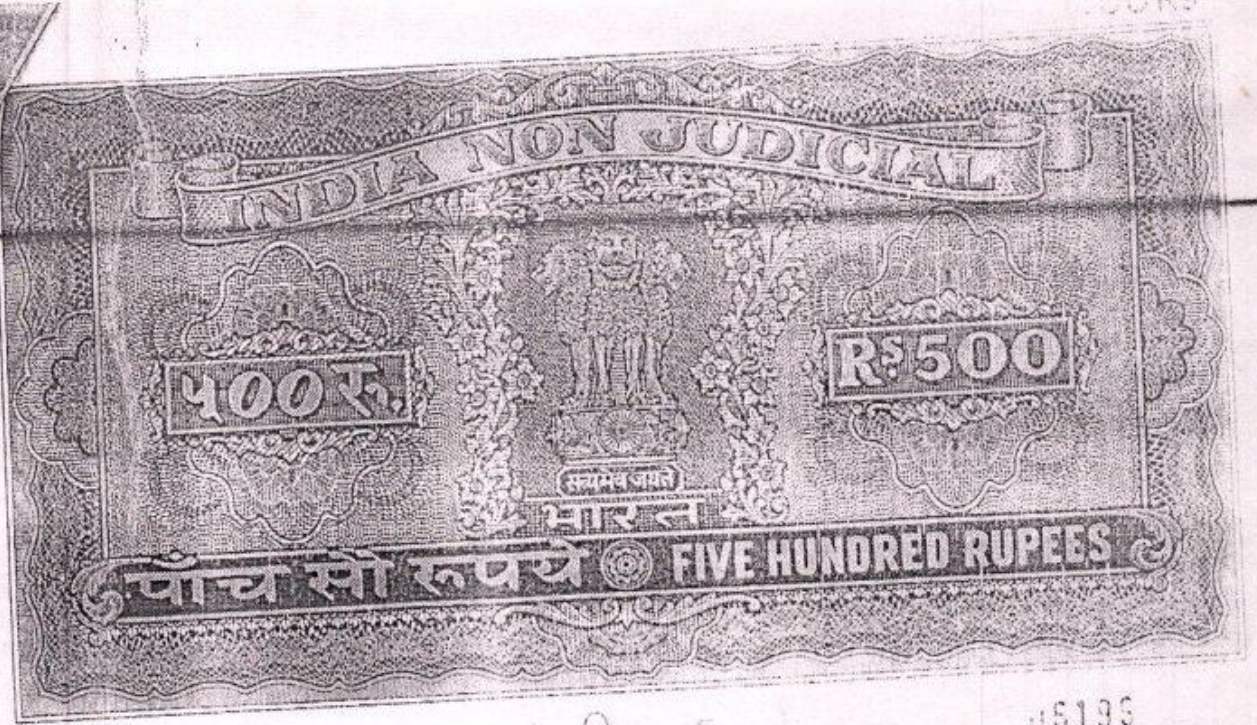


पण्डित लैखन सम्पत्ति तथा साथ उसमें शामिल
 हर तरह के स्वामित्व एवं आधिपत्य जो आज
 की तारीख में कीमत रुपये 99,500/- एक हजार नौ सौ
 पाँच सौ मात्र में लेख्यधारिणी के हाथ विक्री
 किया तथा यह उसीका विक्रय पत्र लिखा तथा
 पूरी कीमत इस दस्तावेज लेखन के पूरे ही लेखन-
 धारिणी से पसुल पाया अब एक नया पैसा
 कीमत निम्न लेखन सम्पत्ति बाकी न रहा
 और न चार्ज।-



जोषी देवी
 कि. २२/२-५ डिग्री
 २/४/०५

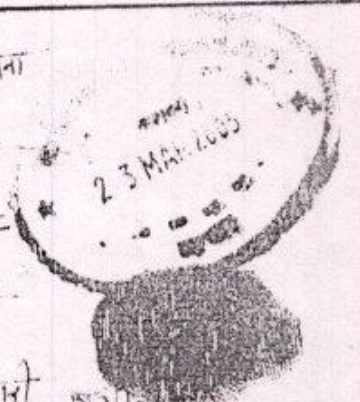
४. यह कि लेख्यधारिणी अथवा उनके उत्तराधिकारी
 आज की तारीख से उपरोक्त पण्डित लेखन
 सम्पत्ति पर पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य के
 साथ काबिजा दारबील लेकर जो रहकर
 जिस प्रकार उचित मुनासिब समझे अपनी



06195

द्वारा आप्रमक्ता अथवा सुविधा के अनुसार -

अपने डिपॉजिट व्यवहार में लाधें तथा नाम अपना जिस- जिस कार्यालयों में आप्रमक स्वयंसेवक लेखन-कारों के दखान पर दफे करवाकर राजस्व भुगतान किया करें जिसमें किसी तरह की आप्रति जो आशेष लेखनकारी अथवा उनके उत्तराधिकारी को न होगी जो न करेंगी -



20 दिवस
जो 10 प्र 12 दिवस
23/3/93

युक्त है कि लेखनकारी ने लेखनकारी की यह विश्वास दिलाया है कि लेखन स्वयंसेवक हर तरह के फर्ज-भार अथवा दुष्प्रस हकियत से साफ है यदि पायी जाय तो इसको स्वामी जवाबदेह जो पायबंदी जो आदायकारी पूरी कीमत सम रखें वजिस्ती अदालत उपर लेखनकारी अथवा उनके उत्तराधिकारी पर है की होगी या रहेगी. इस वारन्ट यह वसीका विक्रय पत्र



उनाम लेख्यधारिणी के लिख दिना के प्रमाण 06200
रहे तथा समय पर काम आदत समाप्त

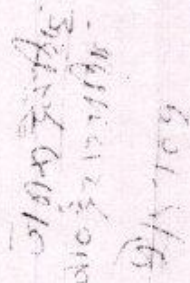
"एतद द्वारा हमलोग आपथ प्रत्येक यह घोषणा
करते हैं कि अन्तरिम होने वाली सम्पत्ति के
संबंध में दस्तावेज में दिया गया विवरण
पूर्ण एवं सत्य है असाध्य होने पर इसकी
पूरी उत्तरदायी लेख्यकारी एवं लेख्यधारिणी होंगी।
प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं
प्रतिलिपि एक दूसरे की हू. व. हू. एवं सच्ची
प्रतिलिपि है।

हरे लेख्यकारी
ज. ००० ई. ००० ई.
०००३२२२२
२४/०५

हरे लेख्यधारिणी
आशा देवी ता. पू. २. ५

23 May 1905
ज. ००० ई. ००० ई.
०००३२२२२
२४/०५

A black and white micrograph showing a single cell with a large, dark, centrally located nucleus. The cytoplasm is lighter and granular. The cell is roughly circular in shape.



दस्तावेज नवीन, म.
ला० न० 143

धीरेन्द्र कुमार मिश्रा
 अक्षायेजनी, जयपुर
 प. ला. नं० 143

शिक्षण विधीक तल्ले-उच्च गुणक (वि-एच) एम-१० १४३१०२ निंबिया
 छात्रांला प्रभाव, जवळील छात्रांला चक्रेणुसार (वि-एच) एम-१३
 पदक-दोन पत्रां का रचना का समीक्षा दिव्या

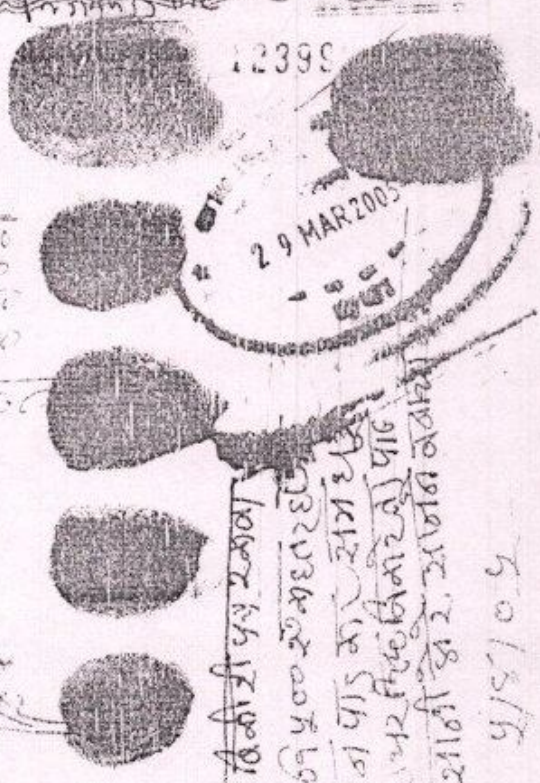
3408 / 1997/01200 / चक्र 4 3302 00000



राजेश कुमार
हरजोबिन्द सिंह, जयपुर
ता. 10.10.1997

₹ 1000/-
₹ 1000/-
₹ 1000/-

9880.00
12.00
920.00
22.00
9880.00



विशेष अधिकारी
जयपुर

5/4/05

नाम लेख्यकारी

श्री जनकदेव सिंह यहद बाबु हरजोबिन्द सिंह वैकुण्ठ
बाबु निवासी ग्राम - कलेर, चाना - मगध मेडिकल
कॉलेज, गया, जिला - गया, पेशा - कास्तकारी,
नागरिकता - भारतीय ।

सही नाम के पत्र में श्री काठिकरी पर 2005
₹ 1000 के पत्र का प्रयोग करने पर 1000 रुपये का
पाप शीत रूप में बसने पर पाप का नाम पाप
श्री काठिकरी पर 2005 का पत्र का प्रयोग करने पर
श्री काठिकरी पर 2005 का पत्र का प्रयोग करने पर

5/4/05

98V

5/8/02

ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੇਵੇ, ਪੰਜ - ਟੈਕਸਟ ਮਕਾਨ ਵਿਖੇ
ਖਾਸ - ਪੰਜ ਟੁਕੜ ਵਿਖੇ ਨਾਮਜ਼ੀ, ਨਾਮਜ਼
ਅੰ - ਮਹਾਰ ਮੈਡਿਕਲ ਨਾਮਜ਼ੀ ਗਲਾ - ਕੋਰਾ

98V ਦੇ 9X2 - 2000 x 2 = 8000

9X2 ਦੇ 4X8 - 800 x 2 = 7000

8000/-

21/10/02



ਮੁਜ਼ੇ

ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੇਵੇ, ਪੰਜ - ਟੈਕਸਟ ਮਕਾਨ ਵਿਖੇ
ਖਾਸ - ਪੰਜ ਟੁਕੜ ਵਿਖੇ ਨਾਮਜ਼ੀ, ਨਾਮਜ਼
ਅੰ - ਮਹਾਰ ਮੈਡਿਕਲ ਨਾਮਜ਼ੀ ਗਲਾ - ਕੋਰਾ

5/8/02 - ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੇਵੇ, ਪੰਜ - ਟੈਕਸਟ ਮਕਾਨ ਵਿਖੇ
ਖਾਸ - ਪੰਜ ਟੁਕੜ ਵਿਖੇ ਨਾਮਜ਼ੀ, ਨਾਮਜ਼
ਅੰ - ਮਹਾਰ ਮੈਡਿਕਲ ਨਾਮਜ਼ੀ ਗਲਾ - ਕੋਰਾ



ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੇਵੇ

ਮੁਲਾਜ਼ਮ ਦੇਵੇ, ਪੰਜ - ਟੈਕਸਟ ਮਕਾਨ ਵਿਖੇ
ਖਾਸ - ਪੰਜ ਟੁਕੜ ਵਿਖੇ ਨਾਮਜ਼ੀ, ਨਾਮਜ਼
ਅੰ - ਮਹਾਰ ਮੈਡਿਕਲ ਨਾਮਜ਼ੀ ਗਲਾ - ਕੋਰਾ

5/8/02



नाम लेख्यधारिणी

श्रीमति आशा देवी धर्मपत्नी श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह निवासी
वीर कुंआर सिंह कॉलनी, कलेर थाना - मगध मेडिकल
कॉलेज, उध्या जिला - गया, पेशा - गृहिणी, नागरिकता -
भारतीय ।

लेख्य प्रकार

विक्रय पत्र (SALE DEED)

विक्रय मूल्य

मो० ११,४००/- एक हजार एक सौ रुपये मात्र ।

विक्रय सम्पत्ति का विवरण

प्लॉट नं० १३६० वर्गफीट (एक हजार तीन सौ साठ वर्गफीट)
लगानयुक्त आवासीय परती भूखण्ड स्थित मौजा - कलेर
थाना - मगध मेडिकल कॉलेज, उध्या जिला - गया थाना
नं० ३३४ सहायविजन वीर सिंह सदर रजिस्ट्री वीर
कलेर वीर मुंशी मो० जगज्जल कार्यालय चन्दौरी
जो गली में है

बताता नं० टेलीट नं०

स्वता

ड०: टेलीट नं०

नया - ३८ नया - ३३४

१३६० वर्गफीट

ड०: १ फीट चौड़ी ३० गली

(अनचालीय) (तीन सौ

एक हजार तीन

ड०: नीज लेख्यकारी बाल

पट्टीय)

सौ साठ वर्गफीट

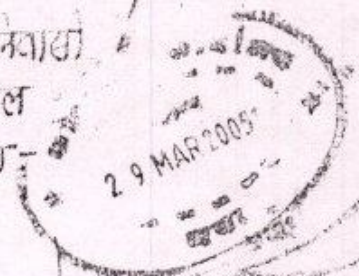
क्रेता लेख्यधारिणी

मि० ३३४ ०१ कदम

स्वयं

मे० से १०

(एक कदम) सिर्फ प०: नीज लेख्यकारी



जगज्जल कार्यालय
मो० ११,४००/-

मो० ११,४००/-

मो० ११,४००/-

980

आशा देवी

8/8/02

C

21/9/02

सादी जगद देवी सिंह नं० 3212 च हिंदू
सादी 3212 च हिंदू बिक्रीत 31/8/02 की तारीख
सांगने नगराचा 2/8/02

31
2053



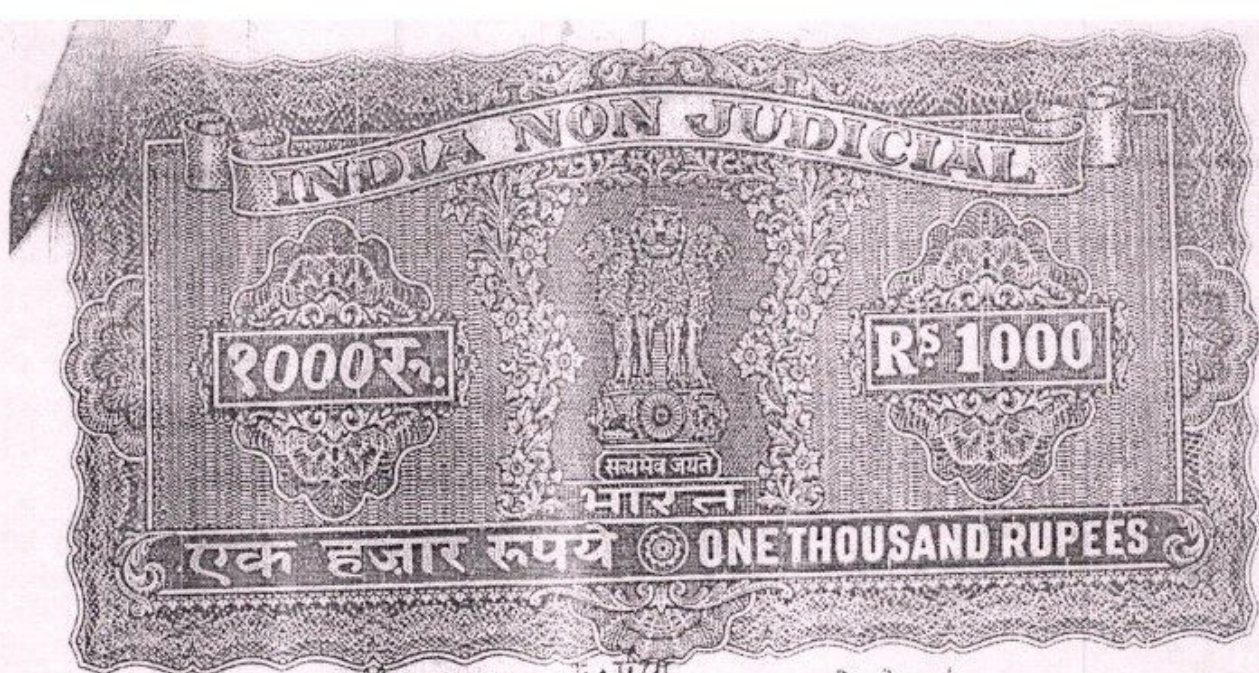
32



बिक्रीत सा 48 च/गलत

3212 च हिंदू बिक्रीत नगराचा 31/8/02

2/8/02



वार्षिक अगस्त रु. पचास x-3x माल, अलावे बेव/ 12401

अन्य वितरण

१- यह कि उपरोक्त वर्णित विषय सम्पत्ति स्वायत्त मोहता लेख्यकारी की है जिसपर लेख्यकारी अपने पिता के मृत्योपरान्त परिवार में वहे विधवा कर्ता को आलोक के विषय सम्पत्ति पर पूर्ण स्वाभिलष एवं आधिपत्य के साथ निर्विवाद का विज्ञ-दाखिल चले आ रहे हैं को आज तक है को अचल कार्यालय के डिमांड पुस्तिका में नाम लेख्यकारी का संयुक्त में दर्ज है।

२- यह कि लेख्यकारी को जरूरत स्या का वाहने पारिवारिक स्वर्ग के काफी आवश्यक है इसलिए लेख्य सम्पत्ति को विषय की घोषणा सामान्य रूप से किया जिसे बुनकर लेख्यधारिणी इले स्वरीने पर तैयार हुई जिसका कीमत दोनों पक्षों के बीच आपसी बात-चीत के उपरान्त मो. ७९,२००/- रुकहतर हजार पांच सौ रुपये मानत तय हुआ।

३- यह कि लेख्यकारी अपने तन-मन को पूर्ण स-स्थिता के साथ अपने हानि-लाभ को अच्छी तरह से समझ-बुझकर बिना किसी दबाव के उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति साथ इसमें का उत्तर हर तरह के



गोपनीय प्रमाणित
29 MAR 2001
21/3/01

गोपनीय प्रमाणित
21/3/01
2008



हक तो अधिकार को आज की तिथि में कीमत मो० ७९,४००/- एक हजार हजार पांच सौ रुपये मान में १२४०८
 लेख्यधारिणी के हथ विक्री किया तथा यह दस्तावेज
 विक्रय-पत्र लिखा तथा पुरी कीमत मो० ७९,४००/-
 एक हजार हजार पांच सौ रुपये मान दस्तावेज लेख्य
 के पूर्व ही लेख्यधारिणी से वसूल पा चुके हैं
 अब एक पैसा कीमत निम्न लेख्य सम्पत्ति बाकी
 नहीं रहा।



X- यह कि लेख्यकारी पुरी कीमत भुगतान पाकर लेख्य
 सम्पत्ति का दखल-कवजा आज की तिथि में
 लेख्यधारिणी को प्रदान किया जिसपर लेख्यधारिणी
 बहेशिखत मालकीन काबिज-दखल होकर तो रक्कत
 जिस प्रकार का प्रमाण निर्माण करना बाहें करें अथवा
 जैसा उचित मुनासिब समझे अपनी ईच्छा, आव-
 श्यता एवं सुविधानुसार उपयोग व्यवहार में लाये
 तथा नाम अपना जिस-जिस कार्यालयों में आवश्यक
 समझे लेख्यकारी के स्थान पर दर्ज करवाकर राज
 स्व स्व अन्य आवश्यक कारों का भुगतान किया
 करें इसमें किसी प्रकार की आपत्ति तो बाधोप
 लेख्यकारी तथा उनके उत्तराधिकारियों को न होगी

जननी देवधि
 बा० १२१२४१११
 १४/४/०९
 पिता जगदीशचंद्र
 बर कुमलचंद्र कोमलचंद्र
 ०५/१२/१०५



तो न करेगे ।

५- यह कि लेख्यकारी ने लेख्यधारियों को यह अवकाश
दिलाया है कि लेख्य सम्पत्ति हर तरह के बाल
भार अथवा नुकस हकीमत से پاک साफ है यदि कारण
पाई जाये तो उसकी अदायगी को पूरी पावनी पूरी
कीमत विधि संगत निबंधन एवं अदालती खर्चों को
साथ उपर लेख्यकारी को है वो होगी वो रहेगी
इस वास्ते यह दस्तावेज विक्रय पत्र वनाम लेख्य-
धारिणी के लिख दिया कि पुत्रान रहे स्त पुत्रान-
नुसार वगम आवे इति।

"स्तरद्वारा हमलोग आपघरवर्क घोषणा करते हैं कि
अन्तर्हित होनेवाली सम्पत्ति को आखण्ड में दस्तावेज
में दिया गया विवरण पूर्ण एवं सत्य है अतएव
होने पर इसकी पूरी जवाबदेही लेख्यकारी एवं लेख्य
धारिणी होगी।"

"प्रमाणित किया जाता है कि पूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे के बिल्कुल सच्ची प्रतिलिपि है।"

ह: लेख्यकारी

जग का देव शिव

वा०५२१२५१२१५

हृत्प्रेरणा (Hൃत्प्रेरणा)
आशा देवी

 $\alpha T, y, x, z$



HE 790



प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त व्यक्ति
जिसका नाम राजेश कुमार है उसका नाम के
द्वारा हस्ताक्षर करने का विधान भरे
मामत लक्ष्मी नगर

राजेश कुमार
हस्ताक्षर करने का विधान भरे
तारीख 14/12/2002

लखनऊ राजेश कुमार ली गी 14/12/2002 के लिए
निबंधन का विधान भरे आदेश. 2002. 14/12/2002 लिख
लक्ष्मी नगर नयापुर्वा ली गी 14/12/2002
नया पदम (लेखन पदम) लि

हस्ताक्षर लेखन की तिथि - 04 अप्रैल, सन 2002 ई.

SC 31

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

24017

पुस्तक संख्या

बिहार सरकार
जिला निबंधालय, गया

निर्बंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें को. 13680/- मुद्रांक शुल्क एवं रु. 3955/- निष्पादन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेखिका/कारियों के नामों में संपन्न इसका निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम, फोटो, अंगुलियों के निम्नलिखित एवं पंजीकृत पोछे अंकित है। इसे दस्तावेज सं० 5631 के रूप में पुस्तक सं० 1 के रूप में अंकित किया गया।
CD 2 में आज निर्बंधित एवं कुल 10 पृष्ठों में संधारित किया गया।

Date : 30/05/2006

ह०
(Brajnandan Vidyarthi)
निबंधन पदाधिकारी

नाम लेख्यकारी

साई जगदीशचंद्र नां ३२२२२२ साई
३२२२२२ विरारिका निशाती छेदे यदागै

नामा २५/५/०६
३०/५/०६



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

INDIA

बिहार BIHAR

क्रमांक २३६ दिनांक २१/११/८६ मूल्य १०००/-
देता का नाम पिता
पति जिला
पति जिला

बार्मेस्ट्री प्र० ओवा
म० वि० ला० न० ६०/२६ एका

निवासी ग्राम - कलेर, थाना - मण्डा - मेडिकल कॉलेज,
जया जिला - जया, पेशा - काहतकारी, नागरिकता - भारतीय

नाम लेख्यधारिणी

श्रीमति आशा देवी धर्मपत्नी श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह
निवासी - लोर कुंवर सिंह कॉलनी, कलेर थाना - मण्डा
मेडिकल कॉलेज, जया जिला - जया, पेशा - काहतकारी
जी रहिणी, नागरिकता - भारतीय।

लेख्य प्रकार

विक्रय-पत्र (SALE-DEED)

विक्रय मूल्य

मो० १,११,०००/- एक लाख एकतर हजार रुपये
मात्र।

विक्रय सम्पत्ति का विवरण
खेताब्दा ०६.२४ डी० (छः दशमलव दो पांच प्रसमल)

709645

जया जिला - जया, पेशा - काहतकारी, नागरिकता - भारतीय
मो० १,११,०००/-
जया जिला - जया, पेशा - काहतकारी, नागरिकता - भारतीय

Book Deed No :

Token No : 451

Reg Year : 2006

Prestype Pres. Code Name with Signature

Photo

Thumb

Index

Middle

Ring

Little

In Favour of

Asha Devi

आशा देवी



Presented by

Self Janak Dev Singh

जानक देव सिंह
नॉ 3212 व सिट



Executed by

30/2/08
Janak Dev Singh

जानक देव सिंह
नॉ 3212 व सिट

241
34106

30/2/08
Identifier dashrath singh

3212 व सिट



2412
34106



30/2/08
सि 0 नॉ 3212 व सिट

भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

जमाईक... तिथि... मूल्य... प्रमाणिक...
किसी का नाम... पिता...
सी... चाना... बिना...

561486

लगानयुक्त आवासोप परती भुखण्ड स्थित मोजा
पलेर, थाना-मगध मेडिकल कॉलेज, गया जिला
गया थाना नं० ३३४ स्वतंत्रिजन को समस्त
वस्त्र-अस्त्रिही को फलफली को मुक्ति मो. गया
बैचल कार्यालय कदौती जो जलो में है-

न. ११५४८६
ला. ०३२१२५६
२-११/२/०६

स्वाता नं० एलोट नं० २५५ चौदही
नया- ३५ नया- ३२५ ६१/४ प्र० अ. हेमन्त साह
(अयालोव) (तीन बी) (सता ह) द. २ फ्रीट चौड़ी
पचवीस) जीवमाल) पु. जलो
मि० ३२०५३ याने पु. २५०६४
जी० में से। २९२० वस्त्रादिपु. नीज।

उवाट परमानन्द सिंह
पिता एव. सुश्रुतदेव सिंह
नीर कंठर सिंह कंठर

वार्षिक राजस्व अर्पित
x- ९० माल, अलावे सेस।
अन्य विवरण
यह कि उपरोक्त वर्जित विक्रय अभ्यानि स्वाव

भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

661487

जारी किया गया है
मौलवी कोलीम
मौलवी कोलीम
मौलवी कोलीम

मौलवी लेख्यकारी को है जिसपर लेख्यकारी अपने
पिता के मृत्योपरान्त परिवार में बंटावत कर्त्ता
तो मालिक को विक्रय सम्पत्ति पर पूर्ण स्वाधिकार
रखें आधिकार्य के साथ निर्विवाद काकिज-दासिल
चले आ रहे हैं तो आत्रक हैं तो बंटावत
लय के डिमांड पुस्तिका में नाम तथा हाल सर्व
स्वत्त्वाम में नाम लेख्यकारी का संयुक्त में दर्ज
है।

यह कि लेख्यकारी को जकरत सपया का है
इसलिए उपरोक्त वर्तित सम्पत्ति जो विक्रय सम्पत्ति
है विक्री की घोषणा पश्चात् लेख्यधारिणी इसे
स्वरीदने पर तयार हुई जिसका कोभत दोनो पक्षों
के बीच मो० १,११,०००/- एक लाख आठ सौ
रुपये मात्र तय हुआ।

मौलवी कोलीम
मौलवी कोलीम
मौलवी कोलीम

भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

सत्यमेव जयते

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

23/11/2006
जिला का नाम है मुर्शिदाबाद जिला
मौज ...
...

661488

2. यह कि लेख्यकारी अपने तन. मन को पूर्ण
स्वस्थता के साथ अपने लानि-लाभ को अच्छी
तरह से समझ-बुझकर बिना किसी दबाव के
अपेक्षित वर्णित सम्पत्ति को कीमत मो= 9,99,000/-
एक लाख एकहत्तर रुपये मात्र में लेख्यकारी
के लोच विक्री किया तथा यह दस्तावेज विक्री
पत्र लिखा तथा पूरी कीमत मो= 9,99,000/- एक
लाख एकहत्तर हजार रुपये मात्र दस्तावेज लिखन
के पूर्व ही वसूल पा चुके हैं।

3. यह कि लेख्यकारी पूरी कीमत वसूल पाकर
लेख्य सम्पत्ति का दस्तावेज-पत्रा आज की
तिथि में लेख्यकारी को उद्दान किया जिसपर

जमा राशि सिद्ध
मौज 3212 पट्टा
20/11/06

भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

बिहार BIHAR

661480

Handwritten signatures and stamps, including a circular official stamp.

लेख्यद्वारा गी-कहे-सियन मालकीन काबिज-दखल
होकर वो बरकर जिस प्रकार का मकान निर्माण
काना चोहे तरे तथा नाम अपना जेब-जिय
कार्यालयों में आवश्यक समकें दर्ज कावाकर राजा
रख अन्य आवश्यक करों का भुगतान किया
उधेमें किसी प्रकार तरे आपन वो आयेप लेख्य-
कारी तथा उनके कृतबधिकारियों को न होय वो
न कोली-

Handwritten notes in the right margin:
कुल
माम
२२/२/२०२०
२०/२/२०

२ यह कि लेख्यकारी ने लेख्यद्वारा को
यह विश्वास दिलाया है कि लेख्य सम्पदा
हर तरह के जग-भार अथवा दुक-इलाक
ये पाक याफ है यदि कश्चा पाई जायेता
बसकी अकायगी को पूरी पावनी पूरा गेम्

$$N_1: 2\sqrt{1} \cdot 2 \cdot 1 = 4$$

Endorsement of Certificate of Admissibility (Rule - 35)

Admissible under Rule 21 : duly stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No 23a
Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act Rs.

6840

Addl. Stamp duty paid under RDA/Municipal Act Rs

3420

Fee Paid

A1	3420	I	0	K2	0	Na	45
A8	0	J1	0	Li	0	LLR	250
A9	0	K1a	0	Lii	0	Proc	50
A10	0	K1b	0	Liii	0		
E	0	K1c	0	Mb	0	Scan	200

Tot Reg Fee 3965

Date :

Registering Officer

Endorsement under section 52

Presented for registration at 04:02 PM on the day Tuesday, 30th May
Gaya D. R. O/ Sub-Registry Office by Janak Dev Singh
(Self) son/wife of S/O Late Babu Hargovind Singh
Agriculture.

2006 at the

by profession

Signature of Presentant

Registering Officer

Endorsement under section 58

Execution is admitted by persons and identified by others whose names, photographs, fingerprints and signatures are affixed on the reverse pages of the instrument.

Date : 30/5/06

Registering Officer

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered in Book 1 of DSRO/ SRO Gaya having 10 pages in the volume CD-2
and document no. of which is printed on the First page of the document.

Date : 30/5/06

Registering Officer

Admissible under Rule 5 : duly Stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. 48. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act	Rs. 1000/-	Amt. Paid By N.I Stamp Paper	Rs. 1000/-
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act	Rs. 0/-	Amt. paid through Bank Challan	Rs. 1100/-

Registration Fee										LLR + Proc Fee	Service Charge
FEE PAID	A1	0	0	0	H10	0	K1a	0	0	LLR	0
	A8	0	0	0	H2	0	K1b	0	0	Proc. Fee	200
	A9	0	0	0	!	0	K1c	0	0	Total	0
	A10	0	0	1000	11	0	K2	0	0		
	B	0	0	0	12	0	Li	0	0		
										TOTAL-	1000
Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+ Service Charge) in Rs. -										1200	

Date: 12/08/2016

Registering Officer
Gaya

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Gaya on Friday, 12th August 2016 by Om Prakash Singh, son of Devendra Pd Singh by profession Agricultural Status - Principal

Signature/L.T.I. of Presentant
12.08.16

Date: 12/08/2016

Registering Officer
Gaya

Endorsement under section 58

Execution is admitted by those Executants as identified by the person (Identified by 'Kiran Singh' age '40' Sex 'M', 'W/O- Ajay Singh', resident of 'Kishor', Mahan Complex Chandauti More, P.S.- Chandauti, Dist.- Gaya, Jharkhand, whose Names, Photographs, Fingerprints and Signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.



Date: 12/08/2016

Registering Officer
Gaya

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered at Registration Office Gaya Separately Book 4 Volume No. 6 on pages on 583 -590, for the year 2016 stored in CD volume No. CD-1 year 2016. The document no. is printed on the front Page of the document.

Date : 12/08/2016

Token No. : 13473

Year : 2016

S.No. : 13061

SCORE Ver.4.0

Deed No. : 13473

Scanned by-

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA

प्रमाणित कि
Pran Prakash Singh
DOB: 13/04/1977
SEX: MALE
3469 7829 8304

आधार-प्रमाण नम्बर अधिकार



भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
UNIQUE IDENTIFICATION AUTHORITY OF INDIA

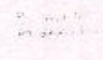
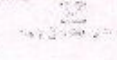
ठेका नं:

11, 12th Floor, Sector 10,
Connaught Place, New Delhi
110028

Address:

11, 12th Floor, Sector 10,
Connaught Place, New Delhi
110028

3469 7829 8304



9/007137115

(2.8.20)



भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण

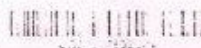
भारत सरकार

Unique Identification Authority of India
Government of India

Enrollment No: 1116/0014/37511

To
Om Prakash
S.O.D.H.
Asha Sengupta, Asha Sengupta Singh, Om Prakash
Kumar
Gaya
Civil Station
Bihar 824001
9421306527

28092832



आपका आधार क्रमांक / Your Aadhaar No.

3772 4767 3075

आधार — आम आदमी का अधिकार



भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA



3772 4767 3075

3772 4767 3075



आधार — आम आदमी का अधिकार

28092832

42.8.2016

श्री प्रकाश सिंह

11.08.16

9421306527



देवेंद्र प्रसाद सिंह
11/8/15

8541982604



~~10/2/11~~

११ एच ० २५५५५५ - ८०००० / १०००००

IR9



३६

७५०

२०००

८०८२०

१४२०

Read with Sec 4.

१९७०

जाम लखनपुरी गल

श्री अशोक कुमार या श्री अशोक कुमार शर्मा
 या श्री अशोक कुमार शर्मा प्रमाण श्री हरिहर
 प्रसाद सिंह कायम जात भूमिदा (अक्षर)
 साधन साधन जयपुर ५६२, २६००
 चण्डीनी गिरजा राधा प्रसाद साधन साधनकारी

जाम लखनपुरी गल

श्री महेश चंदरी यादव श्री राम चंदरी
 यादव या मुंजरी लाल चंदरी या मनोहर -
 कुमार चंदरी प्रमाण जयपुर ५६२, २६००

श्री अशोक कुमार या श्री अशोक कुमार शर्मा
 या श्री अशोक कुमार शर्मा प्रमाण श्री हरिहर
 प्रसाद सिंह कायम जात भूमिदा (अक्षर)
 साधन साधन जयपुर ५६२, २६००
 चण्डीनी गिरजा राधा प्रसाद साधन साधनकारी

१९७०-७१



गंगा चौधरी कायम व्यवसाय को बना दो
अपने ही गंगा चौधरी वृद्ध ही बाबुलाल
चौधरी सेनाबादी बनने वाली सेनाका महंगा
बादका डलहा ५० पहरा शुभा कोतवाली वीरन
गंगा चौधरी गंगा चौधरी का बहनारी 1-
अवनीश।

लखनऊ प्रकाश

निनिमालाया मूल शुद्ध-पत्रः

निनिमालाया संस्कार का मूल्य

मो. १०,०००) चाही ही एका रुपया विवरका
अपने कोमल मो. २००००) एका रुपया
होता है।

निनिमालाया संस्कार का एका रुपया
होता है।

मूल मूल्य ५० पहरा सेनाका सेना विवर-
मील सेनाका सेनाका एका रुपया आर
ही ५० पहरा शुभा कोतवाली वीरन गंगा
शुभा चौधरी गंगा चौधरी सेनाका सेनाका
सेनाका सेनाका सेनाका सेनाका

गंगा चौधरी गंगा चौधरी सेनाका सेनाका
सेनाका सेनाका सेनाका सेनाका
सेनाका सेनाका सेनाका सेनाका
सेनाका सेनाका सेनाका सेनाका

ल. ५-११-१९

ਕੁ ਅਸਾਨਾ ਹੈ ।

[illegible]

યે નથી દોર... લેવો નથી કરી કસાલે રહે -
 બે-ત્રણ નિનિમવાય રહે કાઠુ-પાસ લગામ લે
 લેકા લોચાદી ગાલે કા તોરલ લેવે કા
 રહેમય ન કામ કાલે જેમ પ્રમુલ રહે સમય

લેવે દોર સિલંગા કાઠુ-પાસ લગામ
 લોચાદી ગાલે કા નથી દો

યે અનિલકુમાર
 ૨૭.૧૭

યે અનિલકુમાર
 ૨૭.૧૭

યે અનિલકુમાર રમી
 ૨૭.૧૭-૧૬

નથી નથી નથી નથી નથી નથી નથી નથી નથી નથી

બે-ત્રણ નિનિમવાય રહે કાઠુ-પાસ લગામ લે
 લેકા લોચાદી ગાલે કા તોરલ લેવે કા
 રહેમય ન કામ કાલે જેમ પ્રમુલ રહે સમય
 લેવે દોર સિલંગા કાઠુ-પાસ લગામ
 લોચાદી ગાલે કા નથી દો

[illegible]

~~142 Istabon~~

[illegible][illegible]

६१- ५ श्री महाराज जगन्नाथ स्वामीजी महाराज
 श्री गुरुदेव (गुरुदेव) जगन्नाथ स्वामीजी महाराज
 ६२- ५ श्री महाराज जगन्नाथ स्वामीजी महाराज

१११- १
 १२० १
 १२१ १
 १२२ १
 १२३ १
 १२४ १
 १२५ १
 १२६ १
 १२७ १
 १२८ १
 १२९ १
 १३० १
 १३१ १
 १३२ १
 १३३ १
 १३४ १
 १३५ १
 १३६ १
 १३७ १
 १३८ १
 १३९ १
 १४० १
 १४१ १
 १४२ १
 १४३ १
 १४४ १
 १४५ १
 १४६ १
 १४७ १
 १४८ १
 १४९ १
 १५० १
 १५१ १
 १५२ १
 १५३ १
 १५४ १
 १५५ १
 १५६ १
 १५७ १
 १५८ १
 १५९ १
 १६० १
 १६१ १
 १६२ १
 १६३ १
 १६४ १
 १६५ १
 १६६ १
 १६७ १
 १६८ १
 १६९ १
 १७० १
 १७१ १
 १७२ १
 १७३ १
 १७४ १
 १७५ १
 १७६ १
 १७७ १
 १७८ १
 १७९ १
 १८० १
 १८१ १
 १८२ १
 १८३ १
 १८४ १
 १८५ १
 १८६ १
 १८७ १
 १८८ १
 १८९ १
 १९० १
 १९१ १
 १९२ १
 १९३ १
 १९४ १
 १९५ १
 १९६ १
 १९७ १
 १९८ १
 १९९ १
 २०० १

अधिक ऊपर
होकर ऊपर है
मैंने ही
कृष्ण

५-११-५६
 १०१
 ५११
 ५-११-५६
 ५-११-५६
 ५-११-५६

[illegible]

31/05/2020

$\frac{0.92}{\sqrt{43.56}}$
 हाई अग्नय फुल्ल
 नर २ - ११.५६

$\frac{0.95}{\sqrt{43.56}}$
 हाई अग्नय फुल्ल २००० नर
 २. ११.५६

$\frac{0.20}{\sqrt{43.56}}$
 हाई अग्नय फुल्ल २०००
 नर २ - ११.५६

$\frac{0.29}{\sqrt{43.56}}$
 म/बसुल्लान को ११.५६

आननय २००० मिटा करण - बिन्दु
 २००० नर २ - ११.५६

२००० फुल्ल
 २. ११.५६

१३/११/१६ ५६
 १३/११/१६

१३/११/१६
 १३/११/१६
 १३/११/१६

INDIA NON JUDICIAL

२००० रु.

R\$ 1000

अनन्तदेव सिंह

17916

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

5151

342

12-11-19

दस्तावेज नीचे, मद्रा

150

1940

1954

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

सद्विचार सदाचार

100

2/21/03

नाम लेख्यकारी : श्री जनकदेव सिंह वरद स्वर्गीय बाबु हरगोविन्द
सिंह, निवासी ग्राम- कलौर, थाना- भु. ना. मगध पैडिफ
कोलेज- गया, जिला- गया पेशवा- कास्नकारी।

नाम लेखधारिणी:- श्री मंत्री आशा देवी धर्मपत्नी श्री देवेन्द्र प्रसाद
सिंह, निवासी वीर कुशैर सिंह कोलनी मौजा
कलेर ग्राम. अ. ना. मगध मेडिकल कॉलेज कुशैर गया,
जिला गया. पेशा गृहिणी, नागरीकता भारतीय।

21024-2103

[illegible]



17917

लेखन प्रकार: विक्रय पत्र SALE DEED.

विक्रय मूल्य: रुपये 69000/- एकहतर हजार मात्र।

विक्रय सम्पत्तिका विवरण: क्षेत्रफल २ कड़ (दो कड़)

अर्थात् द्वा. डी. सब. ६: ५२२० (दो हजार
सात सौ बीस कांशीर सोता है) एराजी लगानपुस्तक आवासीय
पत्तो मुखर्ज, स्थित ग्राम कलेर थाना, स. ना. मगाध
मेडिकल कॉलेज गया, जिला गया, थाना नं. ३३४ सब
एवं सदर रजिस्ट्री कलेक्सी वो मुंशिप्री मो. गया,
मैथिली कार्यालय चन्दौली नगर स्थित गया।

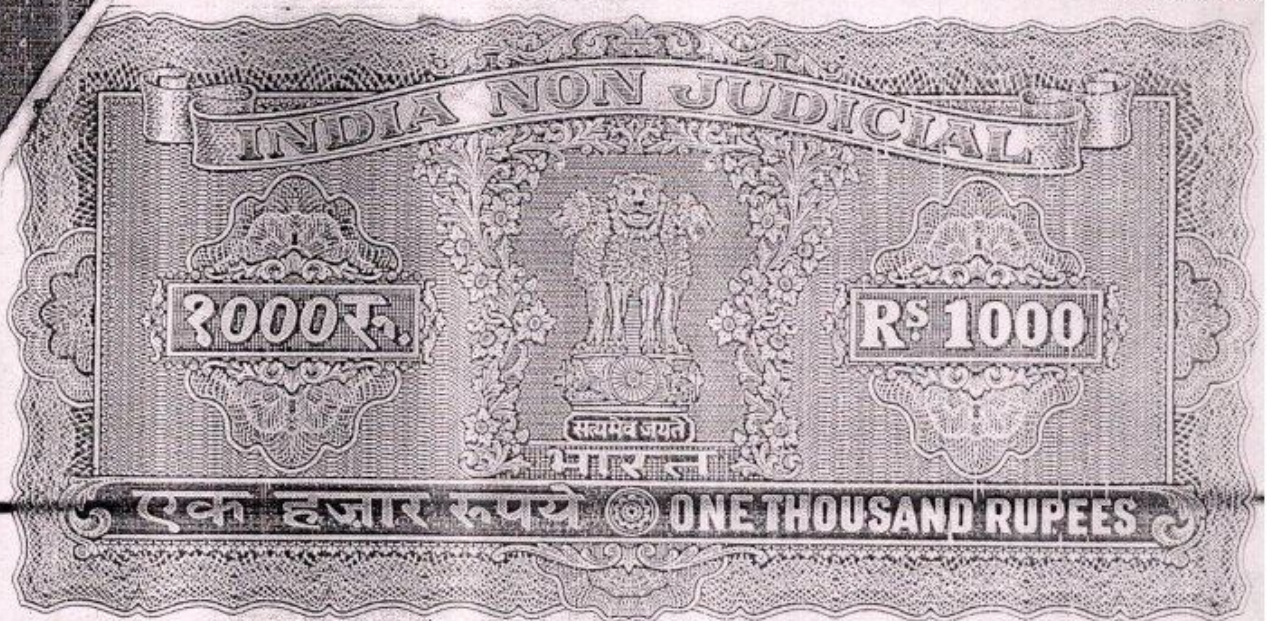
खाना नं.	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल	चौदही
३८	३२५	२ कड़	३. हेमन्त झा
३ नमाली	तीन सौ	दो कड़	६. प्र. पौष प्रीत चौदही
	पञ्जीष	सिर्फ	रास्ता
	मी. ३१० ५३३		५. रास्ता गरीब
	में से		५. निज विक्रेता

लाबिध राजेश्वर २० पैसा
५. ६५ माल अतिरिक्त येरा।

जानक ५५५५५५
२५-५-२००३

गो ३२५ २५५५५
गो ३२५ २५५५५

२५/५/२००३



17918

विवरण

१. यह कि लोख्य सम्पत्ति खालमौदसी लोख्यकारी को है जिसका लोख्यप्राप्त पिता के मृत्योपरांत परिवार में बहसियत फर्तों को मालिक के विक्रय सम्पत्ति पर पूर्ण स्वाभिव एवं आधिपत्य के साथ निर्विवाद कानिज लोखील चले आ रहे हैं वो आज तक है वो अंचल कोषालय के दिमाग फुरतफामे नाम तच्चा हाल सर्वेस्वतियान में नाम लोख्यकार का संयुक्त में दर्ज है।-
२. यह कि लोख्यकारी को जखरत रूपया का वास्ते खर्च जल्दी जायज के प्राप्ती आवश्यक है इसलिए लोख्य सम्पत्ति के विक्रय के घोषणा सामान्य रूप से किया जिसे लोख्य लोख्यधारिणी इस खर्च देने पर तैयार हुई जिसका फामत रूपये ७१०००/- एक हतर हजार मात्र दोनो पसों में बीस आपसी बातचीत के परयातनय हुआ।-
३. यह कि लोख्यकारी अपने तन मन की पूर्ण स्वाध्याय में अपने हानि लाभ को अच्छी तरह समझकर बिना किसी दबाव के उपरोक्त वर्जित विक्रय सम्पत्ति तथा उसमें-

सर्वेस्वतियान

२०-०५-२००८

२०-०५-२००८

२०-०५-२००८

२०-०५-२००८

२०-०५-२००८

२०-०५-२००८



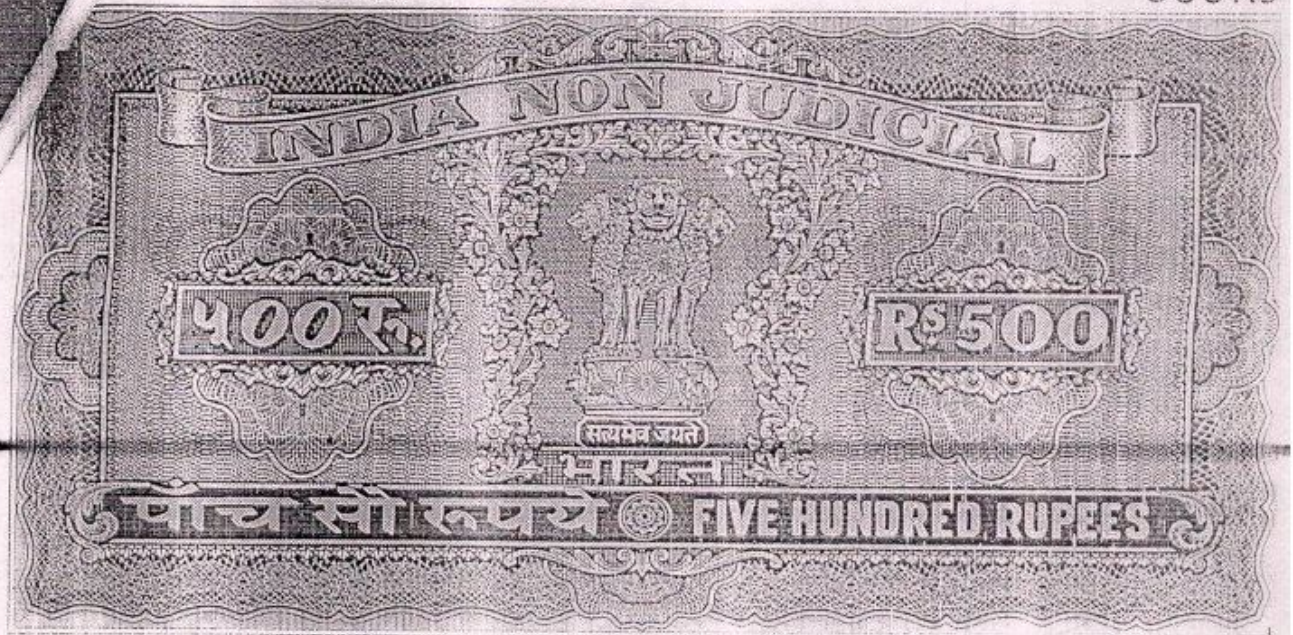
12688

गान हरतर के स्वामित्व एवं आधिपत्य को आज की तिथि में लेखधारिणी के हाथ विशेष कियातया यह सन्तान केन विक्रय पर लिखानया पूरा कीमत रुपये ७१०००। एकहत्तर हजार मात्र पूर्व दरतावेज लेखन के लेखधारिणी से मुगलान पाया। अब एक पैसा कीमत बाकी न रहने को न चाहिये।

४. यह कि लेखप्राप्ति पूरी कीमत मुगलान पाया लेख सम्पत्ति का दरवाज करजा लेखधारिणी को प्रदान किया, जिसपर लेखधारिणी आज की तिथि से पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य के साथ कायज रखील होकर रुका जिरत कर ग्रामदान बनाना चाहें बनाऊ दें अथवा अपनी इच्छा अवश्यता अथवा सुविधा के अनुसार अपना व्यवहार में लाने को नाम अपना जिल जिस कार्यलयों में आवश्यक समझे लेखप्राप्ति स्थान पर दर्ज काकाका राजरव मुगलान किया जो उसमें किसी तरह की आपत्ति एवं आपेय लेख प्राप्तिया उनसे उत्तराधिकारी को न लेगा वो न करे।

५. यह कि लेखप्राप्ति ने लेखधारिणी को यह विश्वास दिलाया है कि

Handwritten notes and stamps on the right side of the page, including a circular stamp and vertical text.



12689

हकिमत से आप हैं यदि काफ़ा पायी जाय तो उसका
 पूरी जवाबदेही से साथ पूरा प्रीमियम विधि से गनवाना
 विषयों रखेंगे साथ साथानी की ही पावेंगे ठग
 लोभप्राप्ति तथा उन्नत उन्नतधियाँ परहेंगे होगी वो होंगे
 इसलिये यह विषय पर कसौटी पुराना लक्षणधारिणी से
 लिख दिया के प्रमाण रहे एवं समग्रनुसार का आवे इति
 एतद् द्वारा हम लोग आपका प्रबल धोषण कर रहे हैं कि मुझसे
 होनेवाली सम्पत्ति के सम्बंध में कस्तानेज में होगी विवाह
 रूप एवं सत्य हैं। अतएव हमें पर इसकी प्रकृत (हामीन
 लोभप्राप्ति एवं लोभधारिणी की होगी।

प्रमाणित किया जाता है कि मूल कस्तानेज एवं प्यतीयक पर
 एक प्रमाण के दुबल एवं लम्बी उमी लिये हैं।

हस्ताक्षर

मानमदेव सिंह

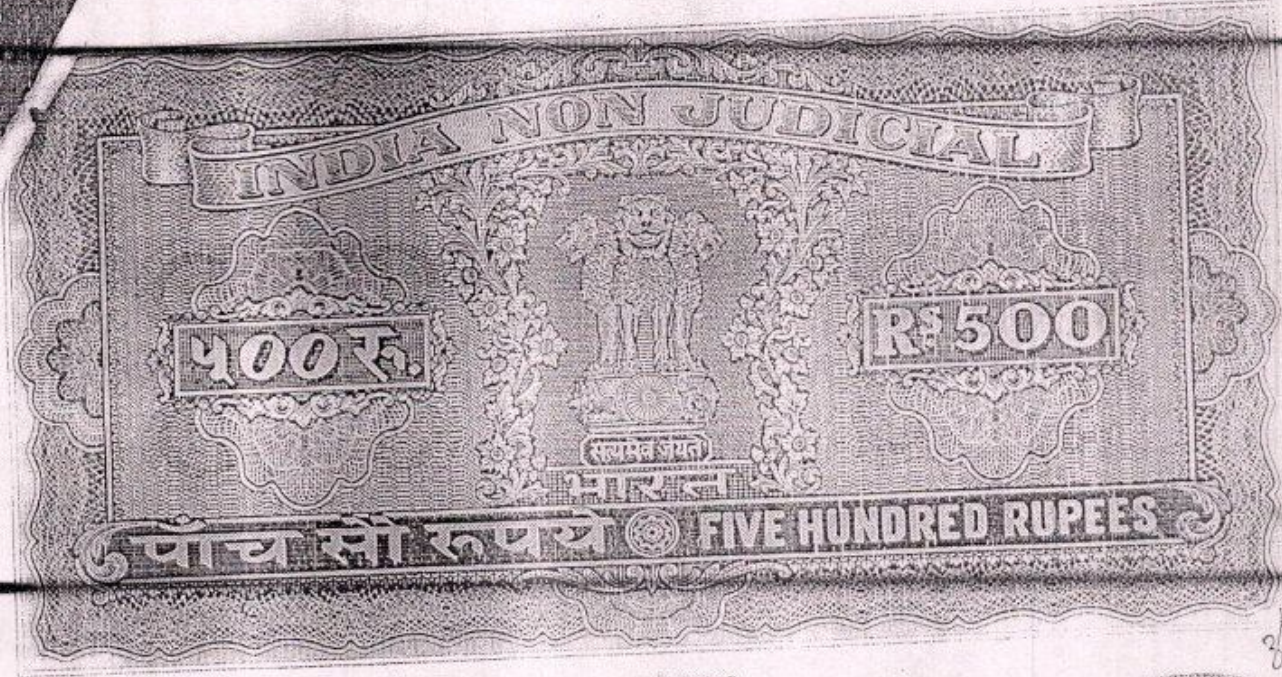
२१.५-२००३

हो लोभधारिणी

आशा देवी

२१.५-२००३

500Rs.



12690

जोधो चविश्यापित
द्वारा
3/7/21
उमेश चंद्र सिन्हा
दस्तावेजपत्री, गया
सां नं० 150

प्रमाणित किया जाता है कि
निम्नलिखित दस्तावेज का
वैधता का दिशाच से
संलग्न किया गया

3/7/21
उमेश चंद्र सिन्हा
दस्तावेजपत्री, गया
सां नं० 150

दि 3/7/21

जानक 1/2/21
रु० 2000

SoL. XIV—F. No. 180V.

एसीद मालगुजारी ।

धाम सर्कल । नाम मौजा मय

धाना वो धाना नम्बर ।

वि० न० प्रेस, गया ।

करद मालकी/करद रैयती ।

नाम रैयत मय बलिदयत जमाबंदी

वो सकुनत । नम्बर ।

D. No.

121

18

749680

कार | कलौर | औम प्रकाश सिंह

XI 81

बराजी नगदी 334 बराजी भावली पिता - तफसील हिसाब लगान भावली ।

6800 कांतीव की रैयत सिंह धाता - 59 खेरा - 325

जोत का सालाना मांग मय तफसील (बकाया वो हाल) मौजूदा साल का ।

घांन बावत	सालाना	बकाया				हाल
		तीन वर्ष से ज्यादा ।	३रा वर्ष ।	२रा वर्ष ।	१ला वर्ष ।	
2016-17						
माल- (नगदी)	30.00				120.00	30.00
गुजारी (भावली)	8.00				32.00	8.00
सेव	16.00				64.00	16.00
भूख	16.00				64.00	16.00
मुतफरफात	6.00				24.00	6.00
मीजान	76.00				304.00	76.00

तफसील अदायकारी ।

380.00

2016-17 अदायकारी बावत ।	तीन वर्ष से ज्यादा ।	बकाया				मोताबल हाल ।	जाजिल
		३रा वर्ष ।	२रा वर्ष ।	१ला वर्ष ।			
माल- (नगदी)					120.00	30.00	
गुजारी (भावली)					32.00	8.00	
सेव					64.00	16.00	
भूख					64.00	16.00	
मुतफरफात					24.00	6.00	
मीजान अदायकारी					304.00	76.00	380.00

(१) मीजान कुल (लफ्फा म) -- तीन रा खरसो रूमने मय

(२) नाम केहिदा --

(३) कुल बकाया --

बकाया वो सालाना अदायकारी

आप मालगुजारी पर किया है बकाया पर जिन पर कि सर्टिफिकेट जारी है) वर वही किया जाता है ।

Notation No. 4028/16-17

सरकार में निहित इस्टेटों के अभिधारियों (रैयतों) का नामांतरण (दाखिल-खारिज) दिखाने वाला शुद्धि पत्र

जिला रायचूर

अनुपडल

संख्या

सकिल/अंचल

डाटा

हल्का

इस्टेट का नाम

दिनांक

पंजी 27 में नामांतर केश संख्या	गाँव	थाना और थाना संख्या	नामान्तर से सम्बद्ध अभिकृत की संख्या	नामान्तर मंजूर करने वाला प्राधिकार की आदेश और तारीख	नामान्तर किस कारण से होना है कि विक्री दान विनियम उत्तराधिकारी या दंतवारा है।	नामान्तर से प्रभावित विनियम का पूरा विवरण	कर्मचारी द्वारा हल्का पंजी किस तारीख को शुद्ध की गई	पृष्ठ संख्या
1	2	3	4	5	6	7	9	10
4028	कलेर	334	$\frac{D-MO}{797}$ 06	अंश नग्न	नामान्तरण	श्री अमान्तर देवी पति सुबेदार श्री देवेन्द्र सिंह छल वीर उल्ल सिंह मल्लिक		
4028	कलेर	334				नामान्तरण		
						① कोम प्रकाश सिंह वीर		
						① प्रेम प्रकाश सिंह मित्र		
						श्री देवेन्द्र सिंह छल - कलेर		
						रकबा	रकबा	
						39 - 325 - 6800	30215	
						39 - 325 - 6800	30215	
						कर्मचारी	कर्मचारी	



ज्ञापक सं०

तारीख

रैयती हल्का सं०

की जानकारी और आवश्यक कारवाई के लिए भेजी जाती है

सकिल

सकिल/अंचल

सकिल/अंचल/अंचलाधिकारी

(अम)



बिहार BIHAR श्री ओम प्रकाश सिंह पिता श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह V 850965

श्री सुकुमार सिंह केवेलानी महाशय मे 1000 रु. का लेख, गया

Deed No. 344

कमरे 2 रु. 1000 रु.

नं० 125/2001 विहार सरकार

जिला निबंधन कार्यालय, गया

पृष्ठांकन/का-सारांश

दिनांक 12/08/2016 को Om Prakash Singh द्वारा यह दस्तावेज निबंधन हेतु उपस्थापित किया गया। इसमें रु० 1000 मुद्रांक शुल्क एवं रु० 1200 निबंधन तथा अन्य शुल्क का भुगतान किया गया। दस्तावेज ग्राह्य पाया गया। जिन लेख्यकारियों ने मेरे समक्ष इसका निष्पादन स्वीकार किया उनके तथा उनके पहचानकर्ता के नाम फोटो, अंगुलियों के निशान एवं हस्ताक्षर पीछे अंकित हैं। इस दस्तावेज सं० 344 के रूप में पुस्तक सं० 4 की जिल्द सं० 6 के पृष्ठ सं० 583 से 590 तक CD 1 में आज निबंधित एवं कुल 8 पृष्ठों में संघारित किया गया।

बिहार सरकार

दस्तावेज नं० 13473/2016

दिनांक-12/08/2016

सुकुमार झा
निबंधन प्रदाधिकारी

1. लेख्यकारीगण का नाम

नं० 1 श्री ओम प्रकाश सिंह उम्र 43 वर्ष वो

नं० 2 श्री प्रेम प्रकाश सिंह उम्र 39 वर्ष

श्री ओम प्रकाश सिंह सामान्य
प्रतिनिधि पत्र क्षेत्रफल 13,600 वर्गफीट
मिलकर लिखा, दस्तावेज पहचान समझ
लिखा 11.08.16



2-8

सुपुत्रगण श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह सिंह, निवासी महल्ला-वीर कुँवर सिंह कॉलोनी कलेर शहर गया, थाना-मगध मेडिकल कॉलेज, जिला-गया, पेशा-नौकरी, नागरिकता भारतीय।

2. लेख्यधारी का नाम

श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह उम्र 76 वर्ष सुपुत्र स्व० जगतनारायण सिंह, महल्ला-वीर कुँवर सिंह कॉलोनी-कलेर शहर गया, थाना-मगध मेडिकल कॉलेज, जिला-गया, पेशा-नौकरी से अवकाशप्राप्त, नागरिकता भारतीय।

लेख्य प्रकार

सामान्य प्रतिनिधि पत्र (GENERAL POWER OF ATTORNEY)

प्रतिनिधित्व के लिए दी जा रही सम्पत्ति का विवरण
क्षेत्रफल 13,600 (तेरह हजार छः सौ) वर्गफीट अर्थात् 31.22 (एकतीस दशमलव दो दो) डीसमिल, लगानयुक्त आवासीय परती भुखण्ड, स्थित मौजा-कलेर, थाना-मगध मेडिकल कॉलेज, जिला-गया, थाना नं० 334 वर्तमान वार्ड नं० 29, सबडिविजन वो सब एवं सदर रजिस्ट्री, कलकट्टी वो मुंशिफी मो० गया, अंचल कार्यालय- चन्दौती, नगर, अंचल गया।

खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा
नया 39 (उनचालीस)	नया 325 (तीन सौ पचीस)	13,600 (तेरह हजार छः सौ) वर्गफीट

चौहद्दी

उत्तर:-श्री युगल किशोर शाह,

दक्षिण:-12 फीट चौड़ी रास्ता,

पूरब:-पीण्ड रास्ता,

पश्चिम:-श्री जनकदेव सिंह।

वार्षिक राजस्व 3 रूपया 10 पैसा माल, अतिरिक्त सेस।

विवरण

(1) यह कि उपरोक्त मौजा-कलेर, थाना-मगध मेडिकल कॉलेज, जिला-गया, थाना नं० 334 वर्तमान वार्ड नं० 29 के अन्तर्गत स्थित

C-2-8



अभि. प्रकाश सिंह
11.08.16

सही श्री प्रकाश सिंह साक्षर प्रतिनिधि पत्र
क्षेत्रफल 13,600 वर्गफीट मिलकर लिखा।
देवेन्द्र प्रसाद सिंह पटकर साक्षर लिखा।
11.8.16

भुखण्ड जिसका पूर्ण विवरण उपर लिखा गया है जिसे लेख्यकारीगण की माँता स्वर्गीया आशा देवी ने निबंधित विक्रय पत्र दस्तावेज द्वारा श्री जनकदेव सिंह पिता स्व० हरगोविन्द सिंह, निवासी मौजा-कलेर, थाना-मगध मेडिकल कॉलेज, जिला-गया से प्रथम दिनांक 29-05-2003 ई० को रकवा 2720 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 6816 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० 221 के पेज सं० 495 से 520 सन् 2003 ई० है वो द्वितीय दिनांक 23-12-2003 ई० को रकवा 2720 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 18185 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० 556 के पेज सं० 507 से 540 सन् 2003 ई० है वो तृतीय दिनांक 18-05-2004 ई० को रकवा 1360 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 5052 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० 180 के पेज सं० 467 से 496 सन् 2004 ई० है वो चतुर्थ दिनांक 05-04-2005 ई० को रकवा 1360 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 3302 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० 89 के पेज सं० 217 से 256 सन् 2005 ई० है वो पाचवाँ दिनांक 05-04-2005 ई० को रकवा 1360 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 3301 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० 89 के पेज सं० 173 से 216 सन् 2005 ई० है वो छठा दिनांक 18-05-2004 ई० को रकवा 1360 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 5051 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० 180 के पेज सं० 437 से 466 सन् 2004 ई० है वो सातवाँ दिनांक 29-05-2006 ई० को रकवा 2720 वर्गफीट खरीद किया था जिसका विक्रय पत्र दस्तावेज सं० 5631 पुस्तक सं० 1 जिल्द सं० सी. डी. 2 में कुल 10 पृष्ठों में संघारित एवं तैयारी दिनांक 30.05.2003 ई० है वो सभी दस्तावेज गया निबंधन कार्यालय में निबंधित है जिसपर आशा देवी खरीदारी की तिथि से निर्विवाद दखल कब्जा में रहते हुए अपने पति लेख्यधारी एवं पुत्रो लेख्यकारीगण तथा श्री स्वयं प्रकाश सिंह को छोड़कर स्वर्गवास कर गये जिसपर माँता के मृत्योपरांत लेख्यकारीगण वो श्री स्वयं प्रकाश सिंह तथा लेख्यधारी के बीच आपसी मौखिक बँटवारा हुआ जिसमें बँटकर उपरोक्त वर्णित सम्पति खास हिस्सा वो दाज में लेख्यकारीगण को मिला है जिसका यादाश्त बँटवारा आपस में दिनांक 20.05.2016 ई० को निष्पादित किया गया है जिसपर लेख्यकारीगण का दखल कब्जा पूर्ण स्वामित्व एवं आधिपत्य के साथ

C.2-8



अभि 11/08/16

निर्विवाद चला आ रहा है वो आज तक कायम है।

(2) यह कि लेख्यकारीगण प्रायः नौकरी के सिलसिले में बाहर रहा करते हैं जिससे लेख्य सम्पत्ति की देखरेख एवं उचित व्यवस्था में कठीनाई होती है इसलिए आज की तिथि में लेख्य सम्पत्ति की व्यवस्था देख-रेख एवं बिक्री हेतु अपने पिता श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह लेख्यधारी को सामान्य प्रतिनिधि नियुक्त कर अपने पूर्ण स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक अवस्था में हानि लाभ को अच्छी तरह समझकर बिना किसी दबाव के लेख्यधारी को निम्नांकित अधिकार प्रदान किया:-

(क) यह कि लेख्यधारी उपरोक्त सम्पत्ति की देख-रेख एवं व्यवस्था करें, बिक्री हेतु किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों से बिक्री की बात तय करें तथा लेख्यकारी की ओर से लेख्यधारी लेख्य सम्पत्ति से सम्बन्धित किसी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के नाम विक्रय पत्र, बंधक पत्र, किराया नामा (लिज-पत्र), अथवा बैबेयाना, दस्तावेज अपने हस्ताक्षर से निष्पादित कर निबंधन हेतु संक्षम निबंधक के कार्यालय में अपने हस्ताक्षर से प्रस्तुत कर संक्षम निबंधक के समक्ष लेख्य का निष्पादन स्वीकार करें तथा कीमत अथवा प्रतिफल प्राप्त कर संबंधित पक्ष को रसीद अपने हस्ताक्षर से प्रदान करें।

(ख) यह कि लेख्यधारी उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को विकसित कर उसमें फ्लैट/अपार्टमेंट निर्माण हेतु किसी भी विल्डर/डवलपर से बात कर निर्माण हेतु विकाश कार्य एकरारनामा निष्पादित एवं निबंधित करे लेख्यकारीगण के हिस्से का निर्धारण अपने विवेक से विल्डर/डवलपर के साथ तय करे तथा निर्माण पश्चात लेख्यकारीगण के हिस्से प्राप्त में प्राप्त फ्लैट/फ्लैटों को किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ बिक्री हेतु तय करें बिक्री पत्र दस्तावेज निष्पादित एवं निबंधित करे तथा

Cy 2.8

सिंह

प्रसाद

11-08-16



लेख्यकारीगण की ओर से सक्षम निबंधन कार्यालय में अपने हस्ताक्षर से दस्तोवज प्रस्तुत कर निबंधन स्वीकार करें एवं रसीद सम्बंधित पक्ष को अपने हस्ताक्षर से प्रदान करें।

(ग) यह कि लेख्यकारीगण की ओर से किसी प्रकार का आवेदन प्रतिवेदन या शपथ पत्र अपने हस्ताक्षर से लेख्यधारी निष्पादित एवं सम्पादित करें।

(घ) यह कि लेख्यधारी संबंधित पक्ष से लेख्य सम्पत्ति से संबंधित अग्रीम राशि, तय कीमत की पुरी राशि, किराया अथवा प्रतिफल अपने हस्ताक्षर से प्राप्त करें तथा संबंधित पक्ष को रसीद अपने हस्ताक्षर से प्रदान करें।

(च) यह कि लेख्य सम्पत्ति पर यदि किसी तरह का विवाद उत्पन्न हो अथवा लेख्य सम्पत्ति के मुतलिक किसी अन्य पर वाद लाने की आवश्यकता हो तो लेख्यधारी लेख्यकारी की ओर से संबंधित किसी भी कार्यालय अथवा न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने हस्ताक्षर से वकिल बहाल कर वाद विवाद का निपटारा करेंगे।

(3) यह कि लेख्यकारीगण की ओर से लेख्यधारी द्वारा लेख्य सम्पत्ति के निमित्त किया गया हर कार्य लेख्यकारीगण द्वारा की गयी समझी जायगी जिसकी पुरी जवाबदेही लेख्यकारीगण तथा लेख्यकारीगण के खाह वारसान के उपर है वो होगी वो रहेगी वो लेख्य सम्पत्ति से होने वाली आय अथवा बिक्री उपरांत मिलने वाली कीमत लेख्यधारी लेख्यकारीगण को प्रदान कर देंगे तथा लेख्यधारी स्वयं लेख्य सम्पत्ति पर किसी तरह का निर्माण कार्य नहीं करेंगे वो लेख्यधारी द्वारा लेख्यकारीगण के विरुद्ध इस सामान्य प्रतिनिधि पत्र का दुरुपयोग किए जाने कि स्थिति में लेख्यकारीगण लेख्यधारी को वकालतन नोटीस द्वारा

Cy 2-8

आज प्रमाणित
11.08.16



सूचित कर यह दस्तावेज सामान्य प्रतिनिधि पत्र विघटीत कर सकते हैं
इसलिए यह दस्तावेज सामान्य प्रतिनिधि पत्र लेख्यधारी के पक्ष में लिख
दिया कि प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे समाप्त।

ह0 साक्षीगण

ह0 लेख्यकारीगण

1.

आम प्रकाश सिंह
11.08.16

~~किशोरी मोहन~~ सिंह उम्र 40

पति उजय सिंह

आम प्रकाश सिंह
11.08.16

किशोरी मोहन कागलेश-
चन्दौली सा.स-1/24)

आ.था.र-सा.स नं. 8807, 0588, 7790

थाना रामपुरा

~~किशोरी मोहन~~ कुमार सिंह

ह0 लेख्यधारी

देवेंद्र कुमार सिंह

पिता - उजय सिंह

11/5/16

किशोरी मोहन कागलेश-24

चन्दौली, गम।

C-2-8



यह दस्तावेज लेख्यकारी के कथनानुसार दोनों पक्षों एवं गवाहों की
उपस्थिति में आज दिनांक 11/08/2016 ई0 को मेरे द्वारा
तैयार किया गया जिसे दोनों पक्ष पढ़/पढ़ाकर एवं अच्छी तरह
समझकर अपना-अपना हस्ताक्षर बनाकर निष्पादित किया।

देवेंद्र कुमार सिंह

दस्तावेज नवीन, गवा

नं० न०-143/02

Admissible under Rule 5 : duly Stamped (or exempted from or does not require stamp duty) under the Indian Stamp Act, 1899, Schedule I or I-A, No. '48'. Also admissible under section 26(a) of the B. T. Act.

Stamp duty paid under Indian Stamp Act Rs. 1000/-
Addl. Stamp duty paid under Municipal Act Rs. 0/-

Amt. Paid By N.J Stamp Paper Rs. 1000/-
Amt. paid through Bank Challan Rs. 1200/-

Registration Fee										LLR + Proc Fee		Service Charge	
FEE PAID	A1	0	C	0	H1b	0	K1a	0	Lii	0	LLR	0	200
	A8	0	D	0	H2	0	K1b	0	Ljii	0	Proc.Fee	0	
	A9	0	DD	0	I	0	K1c	0	Mb	0	Total	0	
	A10	0	E	1000	J1	0	K2	0	Na	0			
	B	0	H1a	0	J2	0	Li	0					
	TOTAL-										1000		
Total amount paid (Reg. fee+LLR, Proc+Service Charge) in Rs. -												1200	

Date: 12/08/2016

CY 2-8
Registering Officer
Gaya

Endorsement under section 52

Presented for registration at Registration Office, Gaya on Friday, 12th August 2016 by Om Prakash Singh S/O Devendra Pd Singh by profession Agriculture. Status - Principal

मि. ५०१२१ १२१६
12.08.16

Signature/L.T.I. of Presentant

Date: 12/08/2016

CY 2-8
Registering Officer
Gaya

Endorsement under section 58

Execution is admitted by those Executants and Identified by the person (Identified by 'Kiran Singh' age '40' Sex 'F', 'W/O- Ajay Singh', resident of 'Kishori Mohan Complex Chandauti More, P.S.- Chandauti, Dist.- Gaya.'), whose Names, Photographs, Fingerprints and Signatures are affixed as such on back page / pages of the instrument.



Date: 12/08/2016

CY 2-8
Registering Officer
Gaya

Endorsement of Certificate of Registration under section 60

Registered at Registration Office Gaya Sadar in Book 4 Volume No. 6 on pages on 583 -590 , for the year 2016 and stored in CD volume No. CD-1 year 2016 .The document no. is printed on the Front Page of the document.

Date : 12/08/2016

Token No. : 13473

Year : 2016

S.No. : 13061

SCORE Ver.4.0

Deed No. : 344

(38717) 12.8.16
Registering Officer
Gaya

Scanned by-

446473

तफसील हिस्सा लगान भायली ।

जोत का सालाना मांग मय तफसील (बकाया वो हाल) भोजपुरा साल का 1967/68

तफसील अदायकारी ।

बकाया

महोदय डॉ. तारीख जनता तहसील कुनिज

(१) कुल बकाया—

R.T.P.S. 3023

अनुसूची २१-प्रपत्र संख्या १११

प्रमाण-पत्र, सं०.....२९३०....., २०

आवेदन ४१०६ २०१८

चूँकि श्री Vijaya Bank, Nagaur Branch ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपत्ति के सम्बन्ध में बिबधित सव्यवहारों और अवधारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाय,

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवधारों के बारे में नहीं १ में और उससे सम्बंध अनुक्रमणियों में ता० ०१/०१/१९८७ २० से ता० ५/१२/१८ २० तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवधारों का पता चला है।

नाम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्रति निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द सं०	वर्ष	पृष्ठ
१	२	३	४	५	६	७	८	९
	<u>Mouza</u> Naler	<u>PS/NO</u> <u>MMCH</u> 334	<u>Khata</u> 39	<u>Plot</u> 325	<u>Area</u> 31.250			
	<u>Ward No</u> 29							

(क) दस्तावेजों के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) 9। बंधक-पत्र की दशा में, ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि इनके बारे में उल्लेख हो।

२। पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लभान दर्ज करें।